दैनिक

# जयपुर टाइम्स

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 अंक : 58 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शनिवार 22 मार्च, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2


## न्यूज इनबॉक्स

### जमानत पर रिहा बुजुर्ग आरोपियों की दोषसिद्धि के खिलाफ अपील को दें प्राथमिकताः सुप्रीम कोर्ट

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि अभियुक्त की अधिक आयु और अपराध किए जाने के बाद से काफी समय बीत जाने के कारण, जमानत पर रिहा अभियुक्तों की दोषसिद्धि के खिलाफ अपील को प्राथमिकता दी जा सकती है। उच्च न्यायालयों में दोषसिद्धि और दोषमुक्ति के खिलाफ आपराधिक अपीलों के लंबित रहने की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए, शीर्ष अदालत ने कहा कि दोषसिद्धि के खिलाफ कुछ पुरानी आपराधिक अपीलों पर सुनवाई करके सही संतुलन बनाना होगा, जिनमें अभियुक्त जमानत पर हैं। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, इसलिए यह वांछनीय है कि दोषसिद्धि के खिलाफ अपील की कुछ श्रेणियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जहां आरोपी जमानत पर हैं। मामले में पीठ ने कहा कि बहुत पुरानी आपराधिक अपीलों के लंबित रहने को देखते हुए, आमतौर पर उन अपीलों की सुनवाई को प्राथमिकता दी जाती है जहां आरोपी जेल में हैं।

### 'भगवान' की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर, 6 घंटे में होगी एफआईआर

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ की सुरक्षा को लेकर नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी की है। यह कदम उन घटनाओं के मद्देनजर उठाया गया है, जहां मरीजों के परिजन आधी-अधूरी जानकारी के आधार पर डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा देते हैं, जिससे चिकित्साकर्मियों को मानसिक उत्पीड़न झेलना पड़ता है और उनकी कार्यक्षमता और प्रतिष्ठा प्रभावित होती है। गृह विभाग की नई एसओपी के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग उन संस्थानों को चिन्हित करेगा, जहां सुरक्षा की आवश्यकता है। इसके बाद संबंधित संस्थान स्थानीय पुलिस स्टेशन के साथ समन्वय स्थापित करेंगे और संबंधित थानाधिकारी नियमित रूप से पेट्रोलिंग कर सुरक्षा निगरानी रखेंगे। यदि किसी संस्थान में हिंसा की सूचना मिलती है तो 6 घंटे के भीतर एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य होगा। अगर घटना संबंधित पुलिस स्टेशन की सीमा में नहीं आती, तो जीरो एफआईआर दर्ज की जाएगी। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई होगी और शीघ्र अनुसंधान किया जाएगा। एफआईआर को सीसीटीएनएस और आईसीजेएस सिस्टम पर दर्ज किया जाएगा।

### आईएएस प्रकाश राजपुरोहित प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। 2010 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित को केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है। वे अब आर्थिक मामलात विभाग में निदेशक पद पर कार्यभार संभालेंगे। गुरुवार को केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने उनकी प्रतिनियुक्ति को मंजूरी देते हुए आदेश जारी किए हैं। इसके तहत वे 5 वर्षों तक प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे।

## प्रदेशभर में इस वर्ष लगाए जाएंगे 10 करोड़ पौधे

### विश्व वानिकी दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह

# देश के पहले 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टैक' एप का सीएम भजनलाल ने किया शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 7 करोड़ पौधे लगाए गए और बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जयपुर के राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति में पेड़, प्रकृति व पहाड़ों की पूजा की जाती है और राजस्थान का पर्यावरण संरक्षण से पुराना नाता रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हम वनों को बचाने और अपनी जैव-विविधता को संरक्षित करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का संकल्प लें।

### प्रदेश के गोडावण संरक्षण के प्रयासों की हो रही सराहना

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वन, पर्यावरण व जलवायु संतुलन के प्रयासों में एक वैश्विक लीडर बनकर उभरे हैं। ग्लासगो में आयोजित कोप 26 के दौरान प्रधानमंत्री ने दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पांच प्रतिबद्धताएं अर्थात पांच अमृत तत्व रखे हैं, जिनमें वन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय वन्यजीव मंडल की बैठक में गोडावण पर राज्य में किए जा रहे संरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय गोडावण संरक्षण एक्शन प्लान की भी घोषणा की है।

### रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल को बढ़ावा दे रही राज्य सरकार

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर हमारी सरकार थ्री आर यानी रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकल को बढ़ावा देकर कचरे के प्रभावी प्रबंधन, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और संसाधन दक्षता पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने बजट 2025-26 में राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इन्सेंटिव स्कीम 2025 की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन की दिशा में बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश की देशभर में नई पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि हरित आवरण में कृषि वानिकी की इस महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए हमारी सरकार राज्य में पहली बार कृषि वानिकी नीति ला रही है। इसी तरह राज्य सरकार की ओर से स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण व विस्तार के लिए एक जिला एक प्रजाति कार्यक्रम, सभी जिलों में मातृ वन की स्थापना, वन रक्षकों की भर्ती जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमारी सरकार की ओर से ग्रासलैंड के महत्व को समझते हुए राज्य में वृहद स्तर पर ग्रासलैंड संरक्षण व विकास के कार्य व घड़ियाल संरक्षण के लिए सवाई माधोपुर में पालीघाट के निकट एक घड़ियाल रियरिंग सेंटर की स्थापना की जा रही है।

### प्रदेशवासियों को मिली इन परियोजनाओं की सौगात

शर्मा ने इस अवसर पर वन विभाग की ओर से विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकसित 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टैक' एप का शुभारम्भ किया, जो कि देशभर का पहला डिजिटल फोरेस्ट स्टेक है।

साथ ही, उन्होंने सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज्म फैसिलिटीज और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्फ कार्ट सुविधा को प्रदेश की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड व राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन (सीआरईएसईपी) के लोगो का अनावरण और वन प्रशिक्षण व प्रबंध संस्थान का रिमोट का बटन दबाकर डिजिटल माध्यम से शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वनमित्रों को किट वितरित किए और वन विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पौधरोपण किया और गोल्फ कार्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वृक्षारोपण को एक जन अभियान बनाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हुए उत्कृष्ट कार्यों का प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में विशेष उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पौधरोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा के लिए मॉनिटरिंग की भी अनूठी व्यवस्था की गई है। इसी तरह वन विभाग की ओर से वन सुरक्षा व प्रबंधन समिति के रजिस्ट्रीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। जापान इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन एजेन्सी (जाइका) के एजि वाकामास्तु की ओर से भी कार्यक्रम को संबोधित किया गया। समारोह में विधायक महेन्द्र पाल मीणा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन अपर्णा अरोड़ा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी व संचार अर्चना सिंह, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक निधु सक्सेना सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व नागरिक उपस्थित रहे।

## भाषा विवाद पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ नहीं करेगा कोई प्रस्ताव पारित

जयपुर टाइम्स

बंगलुरू(एजेंसी)। भारत जैसे बहुभाषी देश में हिंदी को लेकर जारी भाषाई विवाद के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपना रुख साफ कर दिया है। बंगलुरू में आयोजित संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की बैठक के बीच संयुक्त महासचिव सी आर मुकुंदा ने भाषा विवाद को राजनीति से प्रेरित करार दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस मातृभाषा को शिक्षा और दैनिक संचार का माध्यम मानता है।

### राष्ट्रीय एकता को चुनौती देने वाली ताकतें चिंता का विषय

आरएसएस नेता ने इस दौरान डीएमके पर भी परोक्ष रूप से हमला किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता को चुनौती देने वाली ताकतें चिंता का विषय हैं। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुकुंदा ने बैठक की रुपरेखा के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम मणिपुर की स्थिति और देश में उत्तर-दक्षिण विभाजन पैदा करने के प्रयासों सहित कुछ समकालीन और ज्वलंत मुद्दों पर गहन चर्चा करेंगे। इस दौरान जब

उनसे त्रिभाषा विवाद के बारे में प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि संघ इस पर कोई प्रस्ताव पारित नहीं करेगा। संगठन मातृभाषा को शिक्षा और दैनिक संचार का माध्यम बनाना पसंद करता है। वहीं, परिसीमन विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या पर आरएसएस का कोई अधिकार नहीं है। एक संगठन के तौर पर हम उन ताकतों को लेकर चिंतित हैं जो राष्ट्रीय एकता को चुनौती दे रही हैं। खासतौर पर जो उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ा रही हैं, चाहे वह परिसीमन हो या भाषा। उन्होंने यह भी कहा कि बैठक में आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।

## अपनों ने जताया विरोध तो भू राजस्व संशोधन विधेयक प्रवर समिति को भेजा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधानसभा में एक और विधेयक प्रवर समिति को चला गया है। शुक्रवार को सदन में चर्चा के लिए लाए गए भू-राजस्व संशोधन विधेयक का कांग्रेस और भाजपा विधायकों ने विरोध किया। इसके बाद स्पीकर ने वासुदेव देवनानी ने इस बिल को प्रवर समिति को भेज दिया। बीजेपी की वरिष्ठ विधायक अनिता भदेल ने कहा कि बिल में जो सेक्शन जोड़े किए हैं, वह न्याय के सिद्धांथ के खिलाफ है। भदेल ने कहा कि हमारे सरकारी सिस्टम में लैंड यूज चेंज करने का अधिकार डेवलपमेंट अथॉरिटी और निकायों को दिया गया है, तो ऐसी क्या आवश्यकता पड़ी कि हमें लैंड यूज चेंज करने का अधिकार रीको को देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब हमने रीको को पहले ही उद्योगों को विकसित करने के लिए जमीन दी है तो वह लैंड यूज चेंज क्यूं करना चाहता है।भदेल ने कहा अगर रीको को लैंड यूज चेंज करना है तो वह सक्षम विभागों को मंजूरी के लिए फाइल भेज सकता है। उन्होंने कहा कि इसमें अफसरों ने कहीं आपको गुमराह तो नहीं किया है तो अगर किया है तो आपको इसमें देखना चाहिए। भदेल ने कहा कि आनन-फानन में यह बिल नहीं लाया जाना चाहिए, क्योंकि इसके प्रभाव लंबे समय तक पड़ते हैं।

### केन्द्रीय गृहमंत्री शाह की गारंटी होगी जल्द पूरी

# नक्सलवादियों के पास सरेंडर होने या गोली खाने का बचा विकल्प

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में अहम घोषणा करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 से पहले देश के सभी हिस्सों से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। 375 दिन में नक्सली खत्म, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस गारंटी को पूरा करने में सीआरपीएफ, डीआरजी, एसटीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के जवान जुट गए हैं। हालांकि, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रमुख जगहों पर सीआरपीएफ और इसकी विशेष इकाई कोबरा ही माओवादियों से लोहा ले रही है। इन बलों ने ऐसी रणनीति बनाई है, जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प, सरेंडर करो या गोली खाओ, बचे हैं। अब ऐसा कोई इलाका नहीं बचा है, जहां सुरक्षा बलों की पहुंच न हो। वे महज 48 घंटे में फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित कर आगे बढ़ रहे हैं। अब नक्सलियों के लिए जंगलों में अधिक दूरी तक पीछे भागना भी संभव नहीं हो रहा। उनकी सप्लाई चेन कट चुकी है। नक्सलियों की नई भर्ती तो पूरी तरह बंद हो चुकी है। इतना ही नहीं, घने जंगलों में स्थित नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर भी तबाह किए जा रहे हैं।

आगामी 375 दिनों में नक्सलवाद खत्म हो जाएगा, गृह मंत्री की इस मुहिम का असर दिखने लगा है। घने जंगल में और नक्सलियों के गढ़ में पहुंचकर सीआरपीएफ व दूसरे बलों के जवान 48 घंटे में फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित कर रहे हैं। अब इसी एफओबी के चक्रव्यूह में फंसकर नक्सली मारे जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने ऐसा जाल बिछाया है कि जिसमें नक्सलियों के पास दो ही विकल्प बचते हैं। एक, वे सरेंडर कर दें और दूसरा, सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में गोली खाने के लिए तैयार रहें। नक्सलियों के गढ़ में अभी तक 290 से ज्यादा कैंप स्थापित किए जा चुके हैं। 2024 में 58 कैंप स्थापित हुए थे। इस वर्ष 88 कैंप यानी एफओबी स्थापित किए जाने के प्रस्ताव पर काम शुरु हो चुका है। ये कैंप नक्सल के किले को ढहाने में

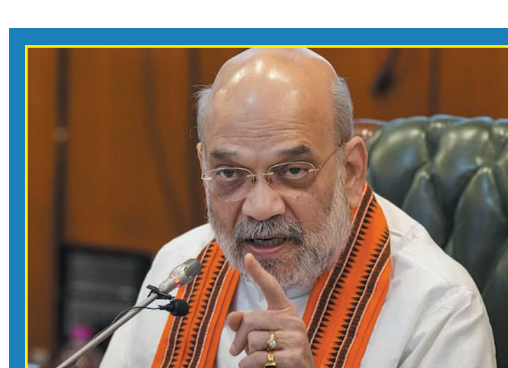

आखिरी किल साबित हो रहे हैं। जिस तेजी से फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस स्थापित हो रहे हैं, उससे यह बात साफ है कि तय अवधि में नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा। सुरक्षा बल, नक्सलियों के गढ़ में जाकर उन्हें ललकार रहे हैं। इस साल जनवरी में ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र, गरियाबंद में ऑपरेशन ग्रुप ई30, सीआरपीएफ कोबरा 207, सीआरपीएफ 65 एवं 211 बटालियन और एसओजी (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) की संयुक्त पार्टी के साथ हुई एक बड़ी मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए थे। भारी संख्या में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ। उस ऑपरेशन में एक करोड़ रुपये का इनामी नक्सली जयराम चलपती भी ढेर हुआ था। फरवरी में बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में हुई मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे गए थे।

## राजस्थान दिवस और गणगौर का त्यौहार भव्यता से मनाएः दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को पर्यटन भवन में पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में सामान्य समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने राजस्थान दिवस को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने इस सम्बन्ध में चर्चा कर अधिकारियों को सभी तरह की तैयारी मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही संस्कृति और परंपराओं के त्यौहार गणगौर को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन ऐप जल्दी तैयार किया जाए। जिससे पर्यटकों को सभी तरह की पर्यटन सूचनाएं प्राप्त हो सके साथ ही पर्यटन सम्बंधित मदद भी प्राप्त कर सके। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग से सम्बंधित बजट घोषणाओं पर बिंदुवार चर्चा कर उनके क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की समयबद्धता से पालना सुनिश्चित की जाए। सामान्य समीक्षा बैठक में अतिरिक्त निदेशक पर्यटन और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार हेतु शुक्रवार को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। दिया कुमारी ने श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।


CMYK

## शीतला माता का पांचवा जागरण हुआ आयोजित

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(नि.सं.)। माता शीतला सेवा समिति मालाखेड़ा गेट राजगढ़ द्वारा गुरुवार को शीतला माता का पांचवा जागरण मालाखेड़ा गेट स्तिथ शीतला माता मंदिर पर हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता बन्नाराम मीणा, नगरपालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया, गायक वादन संजय राजस्थानी द्वारा किया गया माता के भजनों का भक्तजनों ने लाभ उठाया इस दौरान अमरजीत सैन, खेम सिंह आर्य, वीरेंद्र ,मुकेश आदि लोग मौजूद रहे।

## होली मिलन समारोह आज

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा समिति अलवर द्वारा आज साय 4 बजे नगली सर्किल स्थित श्री सिद्धिविनायक मैरिज होम अलवर पर होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा, उक्त कार्यक्रम में महिला, बच्चों एवं पुरुष समाज बंधुओ द्वारा संगीतमय फूलों की होली खेली जाएगी, होली कार्यक्रम पश्चात भोजन व्यवस्था का आयोजन रखा गया है

## विद्यालय में आयोजित हुआ स्वास्थ शिविर

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। शुक्रवार को किड्जी स्कूल अपना घर, शालीमार में स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन श्री महावीर जैन औषधालय एवं चिकित्सालय, महावीर मार्ग, अलवर के द्वारा आयोजित किया गया जिसमे उपवैध नरेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में उनकी टीम जिनमें डा0 अर्चित

(फिजियोथैरेपिस्ट) डा0 शैफाली (होम्योपैथी), डा0 आर0 बी0 मीणा (बी0डी0 एस0), शिवम् प्रधान (नेत्र सहायक) व मनोज सैनी (लैब टैक्निशियन) के द्वारा सभी उपस्थित बच्चों को स्वास्थ्य परामर्श दिया गया। कार्यक्रम के अंत में किड्जी स्कूल डायरेक्टर रवि जैन व स्कूल प्रिंसिपल दीपिका जैन ने सभी डाक्टर्स को स्मृति चिन्ह प्रदान कर आभार प्रकट किया

## सफाई कर्मचारियों ने रखी पदोन्नति की मांग, निगम आयुक्त को सोपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। नगर निगम अलवर में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के शिष्य मंडल ने शुक्रवार को राजस्थान नगर पालिका कर्मचारी फेडरेशन की अलवर शाखा के अध्यक्ष राकेश शर्मा के नेतृत्व में नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि अलवर

नगर निगम में बीते करीब दो दशक से कर्मचारियों की पदोन्नति नहीं की गई है। ऐसे में नियम अनुसार पदोन्नति की जाए, ताकि कर्मचारियों के हितों की रक्षा हो सके।

## अपशिष्ट स्लरी से नुकसान पर सरकार सख्त, उच्च स्तरीय जांच होगी : खान मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर (का. सं.)। खान एवं पेट्रोलियम मंत्री गजेंद्र सिंह ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड से निकलने वाली अपशिष्ट स्लरी के कारण उदयपुर ग्रामीण क्षेत्र की कृषि भूमि और मवेशियों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को लेकर राज्य सरकार गंभीर है।

### जिला कलक्टर ने ली बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

# निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु कार्य योजना बनाकर उसे अमल में लाए - जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

अलवर (नि.सं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

जिला कलक्टर ने जिले के लिए हुई बजट घोषणाओं की बिन्दुवार प्रगति की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु निर्धारित टाइम लाइन के अनुसार कार्यों को पूर्ण करने की कार्ययोजना बनाकर उसे मूर्त रूप देवे। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन बजट घोषणाओं में भूमि की आवश्यकता है उनके आवंटन हेतु संबंधित विभागीय अधिकारी संबंधित उपखण्ड अधिकारी से समन्वय कर एक सप्ताह में भूमि आवंटन संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की निरन्तर समीक्षा की जाएगी अतः संबंधित अधिकारी साप्ताहिक प्रगति की रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि शहर की विभिन्न कॉलोनियों में जल प्रदाय सुविधा विकसित करने के कार्यो की एक सप्ताह में डीपीआर तैयार करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि कठूमर में 132 केवी जीएसएस के लिए चिन्हित की गई भूमि के आवंटन के संबंध में सीडीईओ से समन्वय कर आवंटन प्रक्रिया पूर्ण करें।

उन्होंने अलवर शहर में नवीन कन्या महाविद्यालय के लिए भूमि आवंटन हेतु यूआईटी सचिव को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देश दिये कि नवीन क्रमोन्नत पीएचसी के भवन निर्माण के प्रस्ताव तैयार करें तथा जहां भूमि की आवश्यकता है उसके लिए संबंधित उपखण्ड अधिकारी से समन्वय करें। उन्होंने अखैपुरा में पुलिस थाने के लिए भूमि चिन्हित व आवंटन कार्य के लिए एडीएम प्रथम को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने अलवर सरस डेयरी में नवीन दुग्ध संयंत्र की स्थापना के लिए सरस डेयरी एमडी को निर्देश दिये कि इसके लिए आरसीडीएफ से समन्वय कर कार्य को गति प्रदान करें।

उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल आपूर्ति हेतु कंटीजेन्सी फण्ड में वृद्धि की गई है उसके अनुरूप नवीन प्रस्ताव तैयार कर भिजवाए। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि सीवरेज लाइन डालने के कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें तथा इसमें घरेलू कनेक्शन के कार्य में भी गति लावे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि अलवर जिले के लिए की गई बजट

घोषणाओं के साथ-साथ ऐसी बजट घोषणाएं जो सम्पूर्ण राज्य के लिए है उन घोषणाओं को भी मूर्त रूप देने हेतु कार्य को गति प्रदान करें। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की समीक्षा कर निर्देश दिये कि आमजन की परिवेदनाओं का न केवल त्वरित निस्तारण किया जाए बल्कि उनकी संतुष्टि स्तर को बढ़ाने हेतु सकारात्मक प्रयास करें।

इस दौरान एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, यूआईटी सचिव सुश्री धीगदे स्नेहल नाना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ तेजपाल सिंह, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, सहायक कलक्टर अलवर सुनीता यादव, सीडीईओ महेश गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, जीएम डीआईसी एम.आर मीना, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक रमेश चंद मीणा सहित

## जिला कलक्टर उपखण्ड अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मिनी सचिवालय सभागार में उपखण्ड अधिकारियों की जनसुनवाई प्रकरणों, फार्मर रजिस्ट्री, बजट घोषणाओं, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल, केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जिला कलक्टर ने निर्देश दिये कि राज्य सरकार की त्रि-स्तरीय जनसुवाई व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत एवं उपखण्ड स्तर की जनसुनवाई व्यवस्था को मजबूत कर स्थानीय स्तर पर ही प्रकरणों का त्वरित व गुणवत्ता के साथ निस्तारण कराया जावे, ताकि आमजन को जिला स्तरीय जनसुनवाई तक नहीं आना पडे। उन्होंने जिला स्तरीय जनसुनवाई में आए उपखण्डवार अतिक्रमण से जुडे प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा कर निर्देश दिये कि सरकारी

भूमि पर अतिक्रमण नहीं होवे, इसके लिए उपखण्ड अधिकारी प्रभावी मॉनिटरिंग करें तथा कृषि भूमि पर बिना भूसंपरिवर्तन कराए प्लॉटिंग करने के प्रकरणों पर तुरन्त कार्रवाई करें। उन्होंने जिले में लग रहे फार्मर रजिस्ट्री शिविरों की समीक्षा कर कहा कि सभी लक्षित किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आगामी 9 दिवस में बनवाना सुनिश्चित करें। इस कार्य में जागरूक व्यक्तियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिये कि ग्राम पंचायतवार लक्ष्यों को अर्जित करने हेतु राजस्व विभाग के कार्मिक फील्ड में रहे। उपखण्ड अधिकारी प्रतिदिन प्रगति की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत पुनर्गठन से संबंधित प्रस्ताव 25 मार्च तक भिजवाना सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर ने बजट घोषणाओं की समीक्षा कर भूमि आवंटन से जुडी बजट घोषणा की बारीकी से समीक्षा कर उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिये कि उपयुक्त भूमि को चिन्हित कर भूमि आवंटन करावे। उन्होंने अन्य बजट घोषणाओं को अपने उपखण्डों में प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की समीक्षा कर निर्देश दिये कि सभी पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ नियमित रूप से मिले इसके लिए साप्ताहिक समीक्षा एवं प्रभावी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिये कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में सुचारू पेयजल व्यवस्था हेतु जलदाय विभाग की प्रभावी मॉनिटरिंग करें।

बैठक में एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल सहित समस्त उपखण्ड अधिकारी मौजूद रहे।

## जिला कलक्टर ने किया तिजारा थाने एवं पंचायत समिति तिजारा का औचक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा (नि.सं.)। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने शुक्रवार को तिजारा की पंचायत समिति एवं थाने का का निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने साफ-सफाई, रिकॉर्ड्स की जांच और लंबित मामलों की स्थिति का जायजा लिया।जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने पंचायत समिति के निरीक्षण के दौरान नरेगा श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए साथ ही निर्माण कार्यों को समय पर पूर्ण करने एवं स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत समिति में पड़े जीर्ण-शीर्ण भवनों का नियमानुसार निस्तारण कर सुनियोजित तरीकों से बनाने के लिए नियमानुसार नक्शा, तकमीना आदि बनाने के निर्देश दिए साथ ही उसमें पंचायत समिति की निजी आय बढ़ाने हेतु दुकानों का निर्माण आदि कार्य शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों के सेवा रिकॉर्ड एवं अन्य दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने पुलिस थाना तिजारा स्थित बंदी ग्रह, मालखाना सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों का निरीक्षण कर गत माह में दर्ज हुए मामलों की जानकारी ली। उन्होंने थाने में स्वीकृत कुल पद पर

लगे हुए सभी पुलिसकर्मी की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने थाने में मुख्यतः दर्ज होने वाले प्रकरणों की अपराधिक प्रकृति की जानकारी ली।

उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रकरणों को निस्तारित कर संबंधित को सहायता राशि दिलाने के निर्देश दिए साथ ही थाने में नई बैरक के निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बाहर के लाइसेंस धारियों का जिला कार्यालय में पंजीयन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने त्योहारों के चलते शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान तिजारा प्रधान जेपी यादव, उपखंड अधिकारी तिजारा संजीव वर्मा, डिप्टी एसपी तिजारा शिवराज, तहसीलदार कृष्ण यादव, थाना प्रभारी, जुडिशल शाखा इंचार्ज विशाल गुप्ता सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

## सहकारी संस्थाओं में प्रशासनिक अधिकारियों से चुनाव कराने का प्रस्ताव नहीं : सहकारिता मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। सहकारिता राज्यमंत्री गोतम कुमार ने शुक्रवार को विधानसभा में स्पष्ट किया कि प्रदेश की सहकारी संस्थाओं के चुनाव विभागीय अधिकारियों और कार्मिकों की देखरेख में संपन्न होते हैं, जिनमें निष्पक्षता बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग लिया जाता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल सहकारी संस्थाओं में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा चुनाव संपन्न कराने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।राज्यमंत्री ने बताया कि सहकारी संस्थाओं में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए राजस्थान राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण गठित है। किसी भी धांधली या अनियमितता की स्थिति में राजस्थान सहकारी सोसाइटी अधिनियम 2001 की धारा 58 के तहत पंच निर्णायक नियुक्त किया जाता है। प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने कहा कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों में सदस्यता के लिए अधिनियम 2001 और नियम 2003 के तहत प्रावधान निर्धारित हैं। यदि कोई पात्र व्यक्ति को सदस्यता देने से मना किया जाता है, तो वह रजिस्ट्रार के समक्ष अपील कर सकता है।

इससे पहले विधायक सुभाष मील के प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने बताया कि जिन ग्राम सेवा सहकारी समितियों में व्यवस्थापक का पद रिक्त है, वहां अन्य समिति के व्यवस्थापक को अतिरिक्त कार्यभार देकर या संविदा पर नियुक्ति कर कार्य कराया जा रहा है। रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया सहकारी भर्ती बोर्ड द्वारा की जाएगी।

# जिला कलक्टर ने किया रोजगार मेले का निरीक्षण, 455 युवाओं को मिला रोजगार

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(नि.सं.)। युवाओं को शैक्षणिक एवं कौशल योग्यता के आधार पर निजी क्षेत्र में रोजगार दिलाने हेतु एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन कर सहज एवं सरल माध्यम / प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया। रोजगार मेले का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तिजारा में किया गया तथा इस दौरान कुल 455 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि जिला कलक्टर किशोर कुमार, प्रधान तिजारा जय प्रकाश यादव, पार्षद सुल्तान सिंह पालीवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया।

जिला कलेक्टर खैरथल-तिजारा किशोर कुमार में रोजगार मेले का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी नियोक्तागण से स्टाल टू स्टाल सम्पर्क कर नियुक्ति प्रक्रिया, वेतन, नियुक्ति संख्या की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की तथा रोजगार विभाग के अधिकारियों आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। जिला कलेक्टर ने सम्पूर्ण मेला प्रक्रिया का फालों-अप कर इसमें स्वरोजगार, उद्यमिता एवं अन्तिम चयन पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार एवं प्रधान तिजारा जेपी यादव ने आशार्थियों को प्रोत्साहित किया तथा निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी।

इस शिविर में लगभग 1000 युवक युवतियों ने भाग लिया जिसमें प्रमुख रूप से आईटीआई, 10वी, 12वी, डिप्लोमा, बी टेक एवं स्नातक योग्यता धारक उपस्थित रहें। इस आयोजन में भिवाडी, नीमराणा, अलवर, बावल, खैरथल, टपूकडा, जयपुर की 24 कम्पनियों ने भाग लिया। रोजगार मेला में युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्राप्त किया। अंत में सुश्री मिताक्षी गोयल एवं मनोज कुमार जांगिड़ द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी संजीव वर्मा, तहसीलदार तिजारा कृष्ण कुमार, हरीश नानकवाल सहायक निदेशक जिला रोजगार कार्यालय अलवर, बाबू लाल राजोरिया संस्थापन अधिकारी, जिला रोजगार कार्यालय अलवर, मिताक्षी गोयल सहायक निर्देशक राजकीय आईटीआई. तिजारा, मनोज कुमार जांगिड़ अधीक्षक राजकीय आई-टी-आई. किशनगढ़बास, समाज कल्याण अधिकारी गजराज यादव उपस्थित रहे।

# राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर , शनिवार
22 मार्च, 2025

## जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न, राज्यपाल ने युवाओं को समर्पण भाव से कार्य करने का दिया संदेश

जयपुर टाइम्स

जोधपुर(नि.सं.)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर का 21वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित हुआ। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए विद्यार्थियों को उपाधियां और मेडल प्रदान किए।

राज्यपाल ने युवाओं से समृद्ध भारत-2047 के निर्माण में आत्मीय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार पाने का माध्यम न बनकर युवाओं को रोजगारदाता बनाने में सहायक होनी चाहिए। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विवेकपूर्ण उपयोग पर भी बल दिया। इस अवसर पर कुल 51,402 उपाधियों का अनुमोदन किया गया, जिसमें 46,188 स्नातक एवं 5,214 स्नातकोत्तर उपाधियां थीं। कुल 187 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। समारोह में 60 मेडल दिए गए, जिनमें 38 स्वर्ण पदक बेटियों को मिले। इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बेटियां आगे बढ़ेंगी, तभी समाज तेजी से प्रगति करेगा।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत वर्चुअल माध्यम से जुड़े और विद्यार्थियों से सीखने की जिज्ञासा को बनाए रखने की अपील की। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## मनोहरथाना विधानसभा क्षेत्र में खुलेगा नवीन राजकीय महाविद्यालय - उच्च शिक्षा मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से आवश्यकतानुसार नवीन महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि डग विधानसभा क्षेत्र स्थित राजकीय महाविद्यालयों को क्रमोन्नत करने तथा उनमें नए संकाय खोलने के संबंध में विचार किया जाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट में अकलेरा में मनोहरथाना विधानसभा क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय खोलने में घोषणा की गई है।

इससे पहले विधायक कालूराम के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि झालावाड़ जिले में वर्तमान में कुल 10 राजकीय महाविद्यालय एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय संचालित हैं। उन्होंने सूची सदन के पटल पर रखी।

उन्होंने कहा कि झालावाड़ जिले में नवीन राजकीय महाविद्यालय खोले जाने का वर्तमान में कोई प्रस्ताव विभाग में विचाराधीन नही है।

डॉ. बैरवा ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र डग में वर्तमान में राजकीय बिड़ला महाविद्यालय भवानीमंडी कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय, राजकीय महाविद्यालय चौमहला कला संकाय तथा राजकीय महाविद्यालय डग कला संकाय में संचालित हैं।

## लाडपुरा में खरीफ 2022 फसल खराबे से प्रभावित किसानों को अनुदान भुगतान : आपदा प्रबंधन राज्यमंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। आपदा प्रबंधन राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र में खरीफ 2022 में 23या अधिक फसल खराबे से प्रभावित 1,154 काश्तकारों के आवेदन डीएमआईएस पोर्टल पर प्राप्त हुए थे। इनमें से 1,100 किसानों को 75.35 लाख रुपये का कृषि आदान अनुदान भुगतान किया जा चुका है, जबकि शेष 54 किसानों के भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

राज्यमंत्री ने प्रश्नकाल के दौरान बताया कि बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों के मुआवजे का भुगतान एसडीआरएफ नियमों के तहत ही किया जाता है। मानसून 2024 खरीफ में गिरदावरी के अनुसार लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र में 33 % या अधिक फसल खराबे के मामले दर्ज नहीं हुए हैं। हालांकि, तहसील लाडपुरा के एक राजस्व ग्राम में 15 किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं, जिनके लिए 27 जनवरी 2025 को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं और शीघ्र ही अनुदान भुगतान किया जाएगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रबी 2022-23 में फसल खराबा 33त्न से कम होने के कारण कृषि आदान अनुदान देय नहीं है। वहीं, खरीफ 2022 में अतिवृष्टि से मकानों के नुकसान के लिए 721 प्रभावितों को 33.37 लाख रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। वर्तमान में मकानों के नुकसान से संबंधित कोई मामला लंबित नहीं है। राज्यमंत्री ने बताया कि भारत सरकार के एसडीआरएफ नियमों के तहत दुकानों में हुए नुकसान के लिए मुआवजा या सहायता राशि प्रदान नहीं की जाती।

## राजस्थान में सर्विस मॉडल पर 800 बसें, 300 इलेक्ट्रिक बसें भी होंगी शामिलः परिवहन मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। परिवहन मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि प्रदेश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत करने के लिए 800 बसों को सर्विस मॉडल पर लेने की प्रक्रिया जारी है। इनमें 300 इलेक्ट्रिक बसें भी शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही निविदा प्रक्रिया पूरी कर बसों का संचालन शुरू करेगी, जिससे आमजन को सस्ती, सुरक्षित और आधुनिक यातायात सुविधा मिलेगी।

प्रश्नकाल के दौरान मंत्री ने बताया कि बसें उपलब्ध होने के बाद विधानसभा क्षेत्र ओसियां में भी ग्रामीण बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। इससे पहले विधायक भैरा राम चौधरी के प्रश्न के लिखित जवाब में उन्होंने बताया कि परिवर्तित बजट 2024-25 में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में लोक परिवहन सेवा शुरू करने की घोषणा की गई थी, जिसके तहत ओसियां में बस संचालन के लिए निविदा जारी की जा चुकी है।

परिवहन मंत्री ने यह भी बताया कि जोधपुर-भेड़ वाया मांडियाई खेतासर बस सेवा को मार्च 2020 में कम आय और कम यात्रीभार के कारण बंद कर दिया गया था। फिलहाल इस मार्ग पर बस सेवा पुनः शुरू करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

# जयपुर के 2 लाख 76 हजार से ज्यादा किसानों को मिली 11 अंकों की विशिष्ट पहचान

जयपुर टाइम्स

जयपुर (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जयपुर जिले में ग्राम पंचायतवार पर किसान रजिस्ट्री शिविरों का सफल आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी खुद किसान रजिस्ट्री शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जयपुर जिले में अब तक आयोजित किसान रजिस्ट्री शिविरों में 2 लाख 76 हजार 91 किसानों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका हैं एवं 2 लाख 76 हजार 2 किसानों को 11 अंकों की विशिष्ट पहचान उपलब्ध करवाई जा चुकी है। जिसके बाद जयपुर प्रदेश में सबसे ज्यादा किसान आईडी जारी करने वाला जिला बन गया है। वहीं, जयपुर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के कुल लाभार्थियों में से अब 79 फीसदी से ज्यादा लाभार्थियों का किसान रजिस्ट्री शिविरों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में जिला स्तरीय हेल्प डेस्क का संचालन किया जा रहा है। अपनी ग्राम पंचायत में शिविर के आयोजन सहित अन्य जानकारियां हासिल करने के लिए आमजन एवं किसान दूरभाष नंबर 0141-2209905, 0141-2209906 पर संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर किसान रजिस्ट्री शिविरों में लाभार्थियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किये गए हैं। शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशुपालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभांवित किया जा रहा है।

### प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक हो रहा है शिविरों का आयोजन

एग्रीस्टैक योजनांतर्गत जयपुर में किसान रजिस्ट्री अभियान का आयोजन ग्राम स्तर पर 31 मार्च 2025 तक किया जा रहा है। इसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में किसानों की विशिष्ट किसान आईडी बनाई जा रही है। शिविरों का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जा रही है। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल नम्बर की जरूरत होगी। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक आसान पहुंच करने, प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी।

### बेहद सरल है फार्मर आईडी बनवाने की प्रक्रिया

सभी ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर शिविर आयोजित करवाये जा रहे हैं। आपकी कृषि भूमि से संबंधित ग्राम पंचायत के शिविर में जाकर फार्मर आईडी बनवा सकते हैं। फार्मर आईडी बनाने के लिए किसान को महज अपना आधार कार्ड, आधार से लिंक्ड मोबाइल नम्बर वाला फोन और नवीनतम जमाबंदी लेकर शिविर में आना होगा। अपनी ग्राम पंचायत में शिविर कार्यक्रम की जानकारी 222.rjfrc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर जाकर प्राप्त की जा सकती है।

### हर किसान को मिल रही 11 अंकों की एक विशिष्ट पहचान

किसान रजिस्ट्री, एग्रीस्टैक परियोजना के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की एक पहल है। कृषक विवरण (कृषक का जनसांख्यिकीय विवरण, उसके द्वारा धारित कृषि भूमि का विवरण, प्रत्येक कृषि भूखण्ड के जीपीएस निर्देशांक, उस पर बोई गई फसलों का विवरण आदि) को डिजिटल इन्फास्ट्रक्चर में संकलित किया जाकर, प्रदेश के प्रत्येक किसान को 'आधार' आधारित एक 11 अंकों की एक यूनिक आईडी (विशिष्ट किसान आईडी) आवंटित की जा रही है, जिससे किसान डिजिटल रूप से अपनी पहचान प्रमाणित कर सकेंगे।

## शिक्षा निदेशक नहीं बैठते बीकानेर में, शिक्षक परेशान

### अरस्तु शिक्षक संघ ने शिक्षा मंत्री से निदेशक आशीष मोदी को हटाने की मांग की

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(का.सं.)। निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी के बीकानेर स्थित निदेशालय में नियमित रूप से उपस्थित न रहने से प्रदेशभर के शिक्षक परेशान हैं। विभिन्न जिलों से अपने कार्यों के लिए बीकानेर जाने वाले शिक्षकों को वहां से खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। आईएएस अधिकारी आशीष मोदी जयपुर छोड़ने के इच्छुक नहीं हैं। चूरू कलेक्टर पद पर स्थानांतरण होने के बावजूद उन्होंने पदभार नहीं संभाला और पुनः शिक्षा निदेशक पद पर बने रहे। अब वे बिना किसी पद के जयपुर स्थित राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल में बैठ रहे हैं।

### शिक्षकों के कार्य ठप

मोदी के बीकानेर नहीं बैठने से शिक्षकों के स्थायीकरण, एसीपी/एमएसीपी, सेवानिवृत्ति, डीपीसी, विभागीय जांच, अवकाश स्वीकृति, पदस्थापन जैसे कार्यों में देरी हो रही है।

शिक्षक संघ अरस्तु के प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण अग्रवाल के अनुसार, शिक्षा निदेशक की अभद्र भाषा, अड़ियल कार्यशैली और अशिष्ट व्यवहार की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। शिक्षक पहले बीकानेर जाते हैं, फिर जयपुर आते हैं, लेकिन यहां भी वे आसानी से नहीं मिलते।

### शिक्षा मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

शिक्षकों ने आरोप लगाया कि मोदी उन्हें घंटों इंतजार करवाते हैं, महिला शिक्षकों को भी अनावश्यक परेशान किया जाता है। शिक्षकों को धमकाने और निलंबन की चेतावनी देने के मामले भी सामने आए हैं। इसी को लेकर शिक्षक संघ अरस्तु के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर निदेशक को हटाने की मांग की।

## रेलवे कर्मचारियों का राष्ट्रव्यापी विरोध, जयपुर मंडल में निकाली रैली

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ, जयपुर मंडल ने शुक्रवार को रेलवे कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर जोरदार

विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेंस के आह्वान पर 17 से 21 मार्च तक चलाए गए राष्ट्रव्यापी विरोध सप्ताह के तहत हुआ।

जयपुर में मजदूर संघ के सैकड़ों कर्मचारियों ने नारेबाजी करते हुए संघ कार्यालय से मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय तक रैली निकाली और विरोध सभा का आयोजन किया।

### ये हैं कर्मचारियों की प्रमुख मांगें

जयपुर मंडल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों की कई मांगें वाजिब होते हुए भी सरकार द्वारा नजरअंदाज की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के पेंशन और पदोन्नति से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को लागू नहीं किया गया है। विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से ये मांगे उठाई गई

कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम जैसा लाभ देने के लिए एकीकृत पेंशन योजना में सुधार किया जाए।

रेलवे में नए पदों का सृजन किया जाए और पद सरेंडर करने की नीति समाप्त हो।

ट्रैकमैन संवर्ग की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाए।

रनिंग कर्मचारियों के किलोमीटर भत्ते के 70% हिस्से को आयकर के दायरे से बाहर रखा जाए।

तकनीशियन II और तकनीशियन III का विलय किया जाए।

रेलवे कॉलोनियों और आवासों की दयनीय स्थिति को सुधारा जाए।

रेलवे में निजीकरण की प्रक्रिया बंद की जाए।

ग्रुप-सी के उच्च पदों को राजपत्रित किया जाए।

कर्मचारियों को राष्ट्रीय अवकाश भत्ता और रात्रि भत्ता सुनिश्चित किया जाए।

### संघ ने दी चेतावनी

मंडल प्रवक्ता अनिल चौधरी ने बताया कि सरकार यदि इन मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लेती है, तो रेलवे कर्मचारी बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि यह विरोध सप्ताह अभी केवल सांकेतिक था, लेकिन भविष्य में इसे और व्यापक किया जाएगा।

### विभिन्न शाखाओं में हुआ प्रदर्शन

इस विरोध प्रदर्शन में फुलेरा, बांदीकुई, रेवाड़ी, सीकर, अलवर, रींगस और झुंझुनू सहित कई स्थानों पर रेलवे कर्मचारियों ने भाग लिया। महेश चंद शर्मा, प्रवीण सिंह चौहान, दीपक वर्मा, सुनील यादव, वीरेंद्र सिंह कविया, मंजू मीना, याकूब अली, विमलेश शर्मा, अर्जुन लाल कुमावत, अनवर हुसैन, सुमित सिंह सहित सैकड़ों रेलकर्मी इस विरोध में शामिल हुए।

रेलवे संघ का कहना है कि एनएफआईआर और सरकार के बीच कई मांगों पर सहमति बन चुकी है, लेकिन अब तक उन्हें लागू नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी है। रेलवे कर्मचारी मांगों को लेकर अपने संघर्ष को जारी रखेंगे।

## राजस्थान दिवस की तैयारियों पर मंथन, शिक्षा शासन सचिव ने की विभागीय समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। राजस्थान दिवस (30 मार्च) की तैयारियों और शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा के लिए शुक्रवार को शासन सचिवालय में अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता शिक्षा शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने की, जिसमें विभागीय योजनाओं, बजट घोषणाओं, वित्तीय प्रावधानों और लंबित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

### बैठक के मुख्य बिंदुः

राजस्थान दिवस की तैयारियां- कार्यक्रमों की रूपरेखा और विभागीय भागीदारी पर विचार-विमर्श।

**शिक्षा व्यवस्था** विद्यार्थियों की संख्या, परीक्षा परिणाम, बुनियादी सुविधाएं, कौशल विकास और दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर चर्चा।

**लंबित मुद्दे** जनजातीय क्षेत्रों के शैक्षिक मुद्दे, संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों का निस्तारण और रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा।

**बजट घोषणाएं एवं वित्तीय प्रावधान** 2024-25 के बजट से संबंधित योजनाओं की प्रगति का आकलन।

**राइजिंग राजस्थान-** एमओयू की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा और बालिका सैनिक स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की शीघ्र स्थापना के निर्देश।

**सुरक्षित व आधुनिक शिक्षा-** राजकीय और बालिका आवासीय विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे, फर्नीचर की उपलब्धता और आईसीटी व अटल टिंकरिंग लैब्स स्थापित करने पर जोर।

**ई-पाठशाला और ओपन स्कूल** इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के निर्देश। बैठक में मिड डे मील आयुक्त विश्वमोहन शर्मा, राज्य परियोजना निदेशक अनुपमा जोरवाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## राजस्थान में 75 हजार किसानों को तारबंदी के लिए मिलेगा अनुदानः उद्योग राज्य मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। उद्योग राज्य मंत्री केके विश्नोई ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि इस वर्ष 75 हजार किसानों को 30 हजार किलोमीटर तारबंदी के लिए 324 करोड़ रुपये का अनुदान देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार किसान हितैषी नीतियों के लिए प्रतिबद्ध है और तारबंदी हेतु सामूहिक आवेदन की न्यूनतम भूमि सीमा 5 हेक्टेयर से घटाकर 2.5 हेक्टेयर करने पर विचार किया जाएगा। मंत्री ने प्रश्नकाल के दौरान बताया कि 2024-25 में 50 हजार किसानों को 20 हजार किलोमीटर तारबंदी के लिए 216.80 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था।

इससे पहले विधायक कैलाशचंद्र मीणा के प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि गढ़ी विधानसभा क्षेत्र में 2023-24 में तारबंदी के लिए 467 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 177 स्वीकृत हुए, जबकि 290 आवेदन पात्रता न होने के कारण निरस्त किए गए। इसी तरह, पॉलीहाउस के लिए 27 में से 10 आवेदन स्वीकृत हुए और 17 आवेदन लक्ष्य सीमित होने से लंबित हैं। उन्होंने बताया कि गढ़ी क्षेत्र में सौर ऊर्जा पंप संयंत्र के लिए 39 आवेदन प्राप्त हुए, लेकिन किसानों द्वारा अंशदान राशि जमा न कराने के कारण कोई भी स्वीकृत नहीं हो सका।

## राज्य सरकार किसानों के हित के लिये सदैव तत्पर, नवीन मंडी प्रांगण स्थापना के होंगे पूर्ण प्रयास

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने शुक्रवार को विधान सभा में कृशि विपणन मंत्री की ओर से जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित के लिये सदैव तत्पर है। उन्होंने सदन को आश्वस्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार श्रीकरणपुर विधानसभा क्षेत्र के केसरीसिंहपुर में नवीन मंडी प्रागण की स्थापना के पूर्ण प्रयास करेगी। गोदारा ने शून्य काल के दौरान सदन के सदस्य रूपिन्द्र सिंह कुन्नर द्वारा ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाये गए प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि इस विवादित भूमि का मामला न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से भी पैरवी की जाएगी। ताकि निर्णय किसानों के पक्ष में आए और उन्हें न्याय मिले। गोदारा ने कहा कि मंडी प्रागण की भूमि पर अतिक्रमण होने से उत्पन्न समस्या के लिए राज्य सरकार संबंधित विभाग द्वारा निष्पक्ष जाँच करवाएगी।

## रूस के साखा गणराज्य के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से की मुलाकात, निवेश और सहयोग पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। शुक्रवार को रूस के साखा गणराज्य (याकुतिया) के उपाध्यक्ष किम बोरिसोव के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत से मुलाकात की। बैठक में दोनों क्षेत्रों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, व्यापार, उद्योग, कृषि, खनिज संपदा और पर्यटन में निवेश और सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई।मुख्य सचिव ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राजस्थान में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण, मजबूत बुनियादी ढांचा और राज्य सरकार की प्रोत्साहन नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन, प्रचुर खनिज संपदा और तेज विकास दर के कारण राजस्थान निवेशकों के लिए आदर्श गंतव्य है।साखा गणराज्य के उपाध्यक्ष किम बोरिसोव ने कहा कि दोनों क्षेत्रों के बीच ऊर्जा, महंगे रत्नों, खनिज संपदा और चिकित्सा क्षेत्र में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। प्रतिनिधिमंडल में साखा गणराज्य के विभिन्न विभागीय अधिकारी, व्यापारिक और औद्योगिक प्रतिनिधि शामिल थे।

# अमेरिकी टैरिफ वृद्धिः भारत के व्यापार और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाने का निर्णय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन सकता है। भारत और अमेरिका वर्षों से व्यापारिक साझेदार रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में संरक्षणवादी नीतियों और व्यापार संतुलन को लेकर मतभेद बढ़े हैं। इस निर्णय से भारतीय निर्यातकों, उद्योगों और संपूर्ण आर्थिक परिदृश्य पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिससे रोजगार, निवेश और व्यापार संतुलन प्रभावित हो सकता है।

भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाले प्रमुख उत्पादों में आईटी सेवाएं, फार्मास्युटिकल्स, स्टील, कपड़ा, ऑटो पार्ट्स और कृषि उत्पाद शामिल हैं। टैरिफ वृद्धि के कारण इन क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता घट सकती है, जिससे निर्यातकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भारत का आईटी उद्योग अमेरिका में मजबूत स्थिति में है, लेकिन टैरिफ बढ़ने से भारतीय कंपनियों की संचालन लागत बढ़ सकती है, जिससे उनके मुनाफे में गिरावट आ सकती है। फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवा उत्पादक है, लेकिन टैरिफ वृद्धि से भारतीय दवा कंपनियों की बिक्री घट सकती है, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं को भी महंगी दवाएं खरीदनी पड़ सकती हैं।

भारतीय स्टील और एल्यूमिनियम उद्योग पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिका इन उत्पादों का एक बड़ा उपभोक्ता है। यदि अमेरिका स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ बढ़ाता है, तो भारतीय मेटल इंडस्ट्री को नुकसान होगा और निर्यात घटेगा। इसी प्रकार, कपड़ा और गारमेंट उद्योग को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पाद महंगे हो जाएंगे और प्रतिस्पर्धा कमजोर हो सकती है। इससे बांग्लादेश, वियतनाम और चीन को फायदा मिल सकता है, क्योंकि इन देशों की उत्पादन लागत भारत की तुलना में कम है।

भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों (स्स्ध्वह्य) के लिए यह निर्णय एक गंभीर झटका साबित हो सकता है। भारत में कई छोटे और मध्यम उद्यम अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं, और यदि टैरिफ बढ़ाया जाता है, तो वे अमेरिकी खरीदारों से प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ हो सकते हैं। इससे निर्यात में गिरावट आएगी और इन कंपनियों की आय प्रभावित होगी, जिससे भारत में बेरोजगारी दर बढ़ सकती है।

भारत को अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के प्रभावों को कम करने के लिए रणनीतिक कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, भारत को अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए और टैरिफ वृद्धि को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयास करने चाहिए। इसके लिए उच्च स्तरीय व्यापार वार्ता आयोजित करनी चाहिए और अमेरिकी कंपनियों को भारतीय बाजार में अधिक अवसर देने की रणनीति बनानी चाहिए। यदि अमेरिकी कंपनियों को भारत में व्यापार करने के लिए बेहतर अवसर मिलते हैं, तो वे अपनी सरकार पर टैरिफ न बढ़ाने का दबाव बना सकती हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कदम नए बाजारों की तलाश करना होगा। यदि अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा घटती है, तो भारत को यूरोपीय संघ, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और आसियान देशों में नए व्यापार अवसर तलाशने चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिलेगा। भारत के कुल निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी महत्वपूर्ण है, और यदि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाता है, तो इसका असर व्यापार संतुलन पर भी पड़ेगा। वर्तमान में व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है, लेकिन अमेरिका लंबे समय से इस असंतुलन को दूर करने के लिए टैरिफ बढ़ाने की रणनीति अपनाता रहा है। यदि भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात घटता है, तो इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ सकता है।

इस निर्णय का निवेश पर भी प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका की कई कंपनियां भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करती हैं, और यदि व्यापारिक संबंधों में तनाव बढ़ता है, तो अमेरिकी निवेशक भारत में नए निवेश करने से हिचक सकते हैं। इससे भारत में रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास पर असर पड़ सकता है। रुपये की विनिमय दर पर भी इसका असर पड़ सकता है। यदि भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात में गिरावट आती है, तो यह रुपये की मांग को प्रभावित कर सकता है, जिससे रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है। कमजोर रुपया आयात लागत को बढ़ा सकता है, जिससे महंगाई दर में इजाफा हो सकता है।

भारत को अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के प्रभावों को कम करने के लिए रणनीतिक कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, भारत को अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए और टैरिफ वृद्धि को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयास करने चाहिए। इसके लिए उच्च स्तरीय व्यापार वार्ता आयोजित करनी चाहिए और अमेरिकी कंपनियों को भारतीय बाजार में अधिक अवसर देने की रणनीति बनानी चाहिए। यदि अमेरिकी कंपनियों को भारत में व्यापार करने के लिए बेहतर अवसर मिलते हैं, तो वे अपनी सरकार पर टैरिफ न बढ़ाने का दबाव बना सकती हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम नए बाजारों की तलाश करना होगा। यदि अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा घटती है, तो भारत को यूरोपीय संघ, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और आसियान देशों में नए व्यापार अवसर तलाशने चाहिए। इससे भारतीय निर्यातकों को विविध बाजारों में अपने उत्पाद बेचने का मौका मिलेगा और अमेरिकी निर्भरता को कम किया जा सकेगा।

भारत को अपने उद्योगों की उत्पादन लागत को कम करने के लिए भी ठोस कदम उठाने होंगे। यदि भारतीय कंपनियां उत्पादन लागत को कम कर पाती हैं, तो वे अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकती हैं। इसके लिए सरकार को लॉजिस्टिक्स, टैक्स और अन्य शुल्कों में कटौती करनी होगी, जिससे भारतीय कंपनियों को राहत मिलेगी। भारतीय कंपनियों को तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने पर भी ध्यान देना चाहिए। यदि वे उच्च गुणवत्ता वाले और नवाचार-सम्पन्न उत्पाद विकसित करती हैं, तो वे टैरिफ के बावजूद अमेरिकी बाजार में अपनी स्थिति बनाए रख सकती हैं।

यह टैरिफ वृद्धि भारत और अमेरिका के राजनीतिक और कूटनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा और व्यापार के कई महत्वपूर्ण समझौते हैं, और यदि टैरिफ विवाद बढ़ता है, तो यह अन्य द्विपक्षीय सहयोगों पर भी असर डाल सकता है। अमेरिका भारत को एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार मानता है, विशेष रूप से चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए। यदि व्यापारिक तनाव बढ़ता है, तो यह रणनीतिक साझेदारी कमजोर हो सकती है, जिससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन प्रभावित हो सकता है।

अमेरिका द्वारा भारत से आयातित उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने का निर्णय भारतीय उद्योगों, अर्थव्यवस्था और व्यापार संतुलन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इससे भारतीय निर्यातकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, नौकरियों पर असर पड़ेगा, और निवेश पर दबाव बढ़ेगा। हालांकि, यदि भारत रणनीतिक रूप से नए बाजारों की तलाश करता है, उत्पादन लागत कम करता है और व्यापार वार्ताओं को मजबूत करता है, तो इस चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है।

भारत और अमेरिका को व्यापार संतुलन बनाए रखने के लिए पारस्परिक सहयोग और संवाद को प्राथमिकता देनी होगी, ताकि दोनों देशों को आर्थिक रूप से लाभ हो और वैश्विक बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धा बनी रहे। वैश्विक व्यापार संतुलन और आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि भारत और अमेरिका अपनी व्यापारिक नीतियों को संतुलित रखें और संरक्षणवादी दृष्टिकोण से बचें। भारत को चाहिए कि वह अपने निर्यात को और विविध बनाए, प्रतिस्पर्धा में मजबूती लाए और वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति को और मजबूत करे।

## सौर ऊर्जा का बढ़ता प्रभाव—राजस्थान की बदलती तस्वीर

राजस्थान, अपनी तपती धूप और विशाल रेगिस्तानी भूभाग के लिए जाना जाता है, जो अब सौर ऊर्जा क्रांति का केंद्र बनता जा रहा है। राज्य की यह भौगोलिक स्थिति, जो कभी जल संकट और बंजर भूमि के कारण चुनौती मानी जाती थी, आज अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक वरदान साबित हो रही है। सरकार की प्रगतिशील नीतियां, तकनीकी नवाचार और निवेश की बढ़ती रुचि ने राजस्थान को भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बना दिया है।

### सौर ऊर्जा की भूमिका- ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता राजस्थान

राजस्थान, जो कभी अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर था, अब सौर ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। राज्य में कई विशाल सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर और फलौदी के क्षेत्र प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए "राष्ट्रीय सौर मिशन" और "2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा उत्पादन" के संकल्प के तहत राजस्थान ने अपनी सौर ऊर्जा क्षमता को निरंतर बढ़ाया है। सौर ऊर्जा की बढ़ती क्षमता न केवल राजस्थान को ऊर्जा उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि देश के अन्य राज्यों को भी ऊर्जा आपूर्ति करने में सहायक हो रही है।

### राजस्थान की प्रमुख सौर ऊर्जा परियोजनाएं

1. भाड़ला सोलर पार्क - 2,245 मेगावाट क्षमता वाला यह विश्व का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा पार्क है, जो जोधपुर जिले में स्थित है।
2. फतेहगढ़ सोलर कॉम्प्लेक्स - 10,000 एकड़ भूमि में फैला यह पार्क राजस्थान को ऊर्जा हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
3. जैसलमेर और बीकानेर के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट्स - इन क्षेत्रों में अत्यधिक सौर विकिरण प्राप्त होता है, जिससे सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि हो रही है।
4. अडानी और टाटा पावर जैसी कंपनियों के निवेश - निजी क्षेत्र की भागीदारी ने राज्य में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा उत्पादन की संभावनाओं को बढ़ावा दिया है।

### सौर ऊर्जा के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

1. ऊर्जा लागत में कमी और आर्थिक लाभ

सौर ऊर्जा उत्पादन की लागत पारंपरिक कोयला आधारित ऊर्जा उत्पादन की तुलना में कम हो रही है। इससे राजस्थान में सस्ती बिजली उपलब्ध कराना संभव हो रहा है, जिससे उद्योगों, कृषि और घरेलू उपयोगकर्ताओं को आर्थिक लाभ हो रहा है।

2. रोजगार के नए अवसर

सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना, रखरखाव और अनुसंधान के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। स्थानीय युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें इस क्षेत्र में रोजगार प्रदान किया जा रहा है।

3. पर्यावरणीय लाभ और कार्बन उत्सर्जन में कमी

राजस्थान में सौर ऊर्जा के बढ़ते उपयोग से कोयला और पेट्रोलियम आधारित बिजली उत्पादन की निर्भरता कम हो रही है। इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, जो जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने में सहायक सिद्ध होगा।

### चुनौतियां और समाधान

1. भूमि अधिग्रहण और पर्यावरणीय प्रभाव

सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए बड़े पैमाने पर भूमि की आवश्यकता होती है, जिससे किसानों और वन्यजीवों पर प्रभाव पड़ सकता है। इसके समाधान के लिए सरकार को बंजर भूमि के उपयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना चाहिए।

2. भंडारण और ग्रिड कनेक्टिविटी

सौर ऊर्जा का उत्पादन दिन के समय अधिक होता है, लेकिन रात में इसकी आपूर्ति चुनौतीपूर्ण होती है। इसके लिए उन्नत बैटरी भंडारण तकनीकों और स्मार्ट ग्रिड सिस्टम को विकसित करने की आवश्यकता है।

3. जल संसाधनों पर प्रभाव

हालांकि सौर ऊर्जा संयंत्रों को पानी की कम आवश्यकता होती है, लेकिन पैनलों की सफाई के लिए पानी की खपत बढ़ सकती है। ऐसे में ड्राई-क्लीनिंग तकनीकों और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण की नीति अपनाई जानी चाहिए।

### भविष्य की संभावनाएं- राजस्थान को ऊर्जा राजधानी बनाने की दिशा में प्रयास

राजस्थान की सौर ऊर्जा क्षमता को देखते हुए राज्य को "भारत की ऊर्जा राजधानी" बनाने की दिशा में कार्य किया जा सकता है। इसके लिए सरकार, निजी कंपनियों और स्थानीय समुदायों के बीच समन्वय आवश्यक है।

1. अंतर्राष्ट्रीय निवेश और साझेदारी - राजस्थान में विदेशी निवेश को बढ़ावा देकर अत्याधुनिक सौर ऊर्जा तकनीकों को अपनाया जा सकता है।
2. नवाचार और अनुसंधान - आईआईटी जोधपुर और अन्य संस्थानों के सहयोग से सौर ऊर्जा में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देना होगा।
3. हरित हाइड्रोजन उत्पादन - सौर ऊर्जा से हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर राज्य को ऊर्जा निर्यातक बनाया जा सकता है।

### निष्कर्ष

राजस्थान में सौर ऊर्जा का बढ़ता प्रभाव केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और सामाजिक विकास को भी प्रभावित कर रहा है। सही नीतियों और प्रबंधन के साथ, राजस्थान न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए अक्षय ऊर्जा उत्पादन का एक मॉडल बन सकता है। सरकार, निजी क्षेत्र और आम जनता के सहयोग से यह सपना जल्द ही साकार हो सकता है।

## ईडी की भूमिका, सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियाँ और अपराध साबित करने की चुनौती

भारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भूमिका समय के साथ बढ़ती गई है। आर्थिक अपराधों और धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामलों की जांच करने वाली इस केंद्रीय एजेंसी पर हाल के वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने कई बार टिप्पणी की है। विशेष रूप से, अदालत ने इसके कार्यप्रणाली, राजनीतिक दुरुपयोग और अपराध साबित करने की निम्न दर को लेकर चिंता व्यक्त की है।

ईडी की विश्वसनीयता पर सवाल तब उठते हैं जब यह पाया जाता है कि इस एजेंसी द्वारा शुरू किए गए अधिकांश मामलों में अंतिम रूप से दोषसिद्धि नहीं हो पाती। यह प्रवृत्ति न केवल न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति को दर्शाती है, बल्कि कानून के दुरुपयोग और संभावित राजनीतिक उद्देश्यों की ओर भी इशारा करती है। इस संपादकीय में हम सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, अपराध साबित करने की निम्न दर और इससे जुड़े प्रभावों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

### ईडी की कार्यप्रणाली और शक्तियाँ

प्रवर्तन निदेशालय मुख्य रूप से धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत कार्य करता है। इसकी जिम्मेदारियों में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम 1999 और कुछ अन्य आर्थिक अपराधों की जांच भी शामिल है। ईडी को अत्यधिक शक्तियाँ दी गई हैं, जिनमें संपत्तियों को कुर्क करना, गिरफ्तारी करना और अभियोग चलाना शामिल हैं।

हालांकि, ईडी की गिरफ्तारी और जब्ती की प्रक्रिया कई बार विवादों में रही है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर चिंता व्यक्त की है कि क्या ईडी का कार्य निष्पक्ष है या इसका राजनीतिक दुरुपयोग किया जा रहा है।

### सुप्रीम कोर्ट की प्रमुख टिप्पणियाँ

हाल के वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कार्यशैली और दोषसिद्धि दर पर कई टिप्पणियाँ की हैं

1. मनमाने ढंग से गिरफ्तारी पर सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईडी को नागरिकों की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों का सम्मान करना चाहिए।

यह भी कहा गया कि बिना पर्याप्त साक्ष्य के केवल गिरफ्तारी कर लेना न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

2. राजनीतिक प्रतिशोध के लिए इस्तेमाल का आरोप

कई मामलों में यह देखा गया कि ईडी की जांच केवल विपक्षी नेताओं तक सीमित रहती है, जबकि सत्ता पक्ष के नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं होती।

अदालत ने कहा कि ईडी को अपनी निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

3. दोषसिद्धि दर बेहद कम

सुप्रीम कोर्ट ने यह तथ्य उजागर किया कि ईडी द्वारा दर्ज किए गए मामलों में अपराध साबित करने की दर बेहद कम है।

कई मामलों में वर्षों तक जांच चलती रहती है, लेकिन दोषियों को सजा नहीं मिलती, जिससे न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं।

4. पीएमएलए के कठोर प्रावधानों पर पुनर्विचार की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए के तहत गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्क करने के प्रावधानों को बेहद कठोर बताया और कहा कि इनकी समीक्षा की जानी चाहिए।

यह भी सुझाव दिया कि अभियुक्तों को पर्याप्त संवैधानिक सुरक्षा मिलनी चाहिए ताकि न्यायिक प्रक्रिया संतुलित बनी रहे।

### अपराध साबित करने की दर इतनी कम क्यों?

ईडी द्वारा दायर किए गए अधिकांश मामलों में दोषसिद्धि दर बेहद कम है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं

1. सबूतों की कमी और गलत तरीके से केस दर्ज करना

कई मामलों में ईडी बिना ठोस सबूतों के केस दर्ज कर देती है, जिससे अदालत में अभियोजन पक्ष कमजोर पड़ जाता है।

जांच में कानूनी प्रक्रियाओं का ठीक से पालन न होने के कारण आरोपी को सजा नहीं मिल पाती।

2. मुकदमों का लंबा खिंचाव और देरी

ईडी द्वारा जांच में देरी करने से मामलों की सुनवाई वर्षों तक लटकी रहती है।

जब तक फैसला आता है, तब तक साक्ष्य कमजोर हो जाते हैं और आरोपी को लाभ मिल जाता है।

3. राजनीतिक दबाव और न्यायिक हस्तक्षेप

ईडी के मामलों में कभी-कभी राजनीतिक दबाव डाला जाता है, जिससे केस कमजोर हो जाते हैं।

कई बार अदालतें भी जांच की वैधता पर सवाल उठाती हैं, जिससे अभियोजन पक्ष की स्थिति कमजोर हो जाती है।

4. गवाहों और सबूतों में कमी

कई मामलों में गवाह पीछे हट जाते हैं, क्योंकि वे या तो डरे होते हैं या उनके बयानों को मजबूती से नहीं रखा जाता।

कोर्ट में मजबूत सबूतों के अभाव में दोषसिद्धि मुश्किल हो जाती है।

### क्या ईडी का राजनीतिक उपयोग हो रहा है?

ईडी की निष्पक्षता पर सवाल उठना कोई नई बात नहीं है। कई बार यह देखा गया है कि ईडी की कार्रवाई विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ अधिक होती है, जबकि सत्ता पक्ष के नेताओं को राहत मिलती है।

### कुछ उदाहरण देखें

विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ईडी की छापेमारी चुनावी समय के आसपास अधिक देखी जाती है।

कई मामलों में सत्ता पक्ष से जुड़े नेताओं पर लगे आरोपों की जांच धीमी या निष्क्रिय रहती है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कानून का चुनिंदा इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

### ईडी की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सुझाव

1. निष्पक्षता और पारदर्शिता

ईडी को अपनी कार्यप्रणाली में अधिक पारदर्शिता लानी चाहिए।

इसके लिए एक स्वतंत्र निगरानी समिति बनाई जानी चाहिए, जो ईडी की कार्यवाही की समीक्षा करे।

2. गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्क करने की स्पष्ट प्रक्रिया

बिना पर्याप्त सबूतों के किसी को गिरफ्तार करने या संपत्ति जब्त करने की प्रवृत्ति को रोका जाना चाहिए।

अदालत की अनुमति से ही कुर्की की जानी चाहिए।

3. न्यायिक समीक्षा अनिवार्य हो

हर मामले की न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जांच कानूनी दायरे में हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट को ईडी की कार्यवाही पर निगरानी रखने के लिए एक विशेष पीठ गठित करनी चाहिए।

4. राजनीतिक दखल खत्म हो

ईडी को एक स्वतंत्र एजेंसी के रूप में कार्य करना चाहिए और उस पर किसी भी राजनीतिक दल का प्रभाव नहीं होना चाहिए।

इसके लिए एक संवैधानिक तंत्र विकसित किया जाना चाहिए जो यह सुनिश्चित करे कि ईडी का उपयोग राजनीतिक प्रतिशोध के लिए न किया जाए।

### निष्कर्ष

प्रवर्तन निदेशालय भारत में आर्थिक अपराधों की जांच के लिए एक महत्वपूर्ण एजेंसी है, लेकिन इसकी कार्यप्रणाली पर उठते सवाल इसकी विश्वसनीयता को कम करते हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों से यह स्पष्ट होता है कि ईडी को अपनी निष्पक्षता बनाए रखनी होगी और साबित अपराधों की दर को बढ़ाने के लिए अधिक सटीक और मजबूत जांच करनी होगी।

यदि ईडी को एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और न्यायसंगत एजेंसी बनाना है, तो सरकार, न्यायपालिका और नागरिक समाज को मिलकर इसकी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। अन्यथा, यह एजेंसी अपनी विश्वसनीयता खो सकती है और इसका उपयोग राजनीतिक हथियार के रूप में होता रहेगा।

# 14वीं सदी के शासक की भूमिका निभाएंगे सुनील शेट्टी

फिल्म निर्माता कनु चौहान एक गुजराती योद्धा पर फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसने 14वीं शताब्दी में सोमनाथ मंदिर को घुसपैठियों से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी थी। उनकी फिल्म का नाम केसरी वीर है, जिसमें सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक ने इस फिल्म को बनाने को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने बताया कि केसरी वीर की कहानी उनके दिल के बहुत करीब है। इस फिल्म में, सुनील कथित तौर पर 14वीं शताब्दी के शासक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इसके लिए अभिनेता को घुड़सवारी और बहुत कुछ सीखना पड़ा। सुनील शेट्टी द्रोण के शासक राजा वेगडाजी भील की भूमिका निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनील शेट्टी केसरी वीर में एक अनूठा लुक अपनाएंगे। बताया गया कि सुनील को घुड़सवारी के अपने कौशल को निखारना पड़ा और उस समय के हथियार, जैसे स्वनिर्मित भाले, गोफन, कुल्हाड़ी, धनुष-बाण, चाकू और तलवारें सीखनी पड़ीं। उन्होंने तीरंदाजी भी सीखी, क्योंकि भील इसमें कुशल थे। साथ ही उन्होंने गुरिल्ला युद्ध भी सीखा। फिल्म में उनका लुक अनोखा है और वे पगड़ी, अंगरखा और धोती पहने हुए हैं व मूंछें रखे हुए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में कई एक्शन सीक्वेंस हैं, जिन्हें साउथ के एक्शन डायरेक्टर केविन कुमार ने डिजाइन किया है। वहीं कॉस्ट्यूम्स चंद्रकांत सोनवणे ने तैयार किए हैं। केसरी वीर में सूरज 16 वर्षीय वीर हमीरजी गोहिल का किरदार निभाएंगे, जिन्होंने दिल्ली सल्तनत के शासक अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति जफर खान के आक्रमण से मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। वीर वेगडाजी के साथ मिलकर मुगल बादशाह से 10 दिनों की लड़ाई लड़े थे।

# इस क्रिकेटर को गुपचुप डेट कर रही हैं राशा थडानी? क्यों उड़ रहीं हैं अफवाहें

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अपनी आगामी फिल्म आजाद के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपनी फिल्म के सिनेमाघरों में आने से पहले ही, अभिनेत्री अपने रिलेशनशिप की अफवाहों को लेकर चर्चा में आ गई हैं। ऐसी खबरें हैं कि राशा इन दिनों एक भारतीय क्रिकेटर को डेट कर रही हैं। उनकी डेटिंग की अफवाहें तब से शुरू हुई जब टीम इंडिया के इस क्रिकेटर ने उन्हें सोशल मीडिया पर फॉलो किया और उनकी तस्वीरें लाइक कीं।

### इस क्रिकेटर के साथ जुड़ा राशा का नाम

अभिनेत्री राशा थडानी के साथ जिस क्रिकेटर का नाम जुड़ रहा है, वह है स्पिनर गौतम यादव है। खबरें यह भी है कि दोनों गुपचुप डेटिंग कर रहे हैं। ये सारी अफवाहें तब शुरू हुई जब गौतम ने इंस्टाग्राम पर राशा को फॉलो किया और उनके पोस्ट और तस्वीरों को लगातार लाइक किया। इस सोशल मीडिया एक्टिविटी ने नेटीजंस को हैरान कर दिया है और कयासों का बाजार गर्म होने लगा।

### अभिनेत्री ने नहीं की कोई पुष्टि

हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इन खबरों की पुष्टि या खंडन नहीं किया है, जिससे ये अफवाहें प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। फिल्म रिलीज से पहले, राशा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री को पढ़ाई और अभिनय दोनों करते हुए देखा जा सकता है। अभिनेत्री ने बताया था कि आने वाले दस दिनों में उनके बोर्ड एग्जाम शुरू होने वाले हैं।

### सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

वीडियो में जब राशा से पूछा गया कि क्या वह अपनी लाइनें लिखने के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, पढ़ाई कर रही हूं। 10 दिन से भी कम समय में मेरी बोर्ड परीक्षा है। मेरा पहला पेपर ज्योग्राफी का है।

### इस दिन रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि आजाद में राशा थडानी के अलावा अमान देवगन भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। बता दें कि इससे पहले राशा ने आजाद के ट्रेलर लॉन्च के समय अपना अनुभव साझा करते हुए कहा था, 'मैं तो शूटिंग के वक्त काफी घबराई हुई थी, आज भी घबरा रही हूं। लेकिन अजय सर से लेकर बाकी टीम मेंबर्स ने मेरी पूरी मदद की।' फिल्म 'आजाद' में राशा के किरदार और अमन देवगन के किरदार के बीच एक प्यारी लव स्टोरी भी दिखाई गई है।

# फेंचाईजी के चलन पर बोले बॉबी देओल

एवेंजर्स का असर अब बॉलीवुड पर भी छा गया है। एक-दूसरे से जुड़ी फेंचाईजी फिल्में बॉलीवुड में बन रही हैं। रोहित शेट्टी ने अपनी अलग कॉप यूनिवर्स बना डाली है तो यश राज फिल्म्स ने स्पाई यूनिवर्स। वहीं, दिनेश विजन ने हॉरर यूनिवर्स ही रच दिया है। बॉलीवुड में फेंचाईजी के इस चलन पर हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल अपनी प्रतिक्रिया देते दिखे। बॉबी देओल से जब उस उभरते ट्रेंड के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दर्शकों को सिनेमा का दिलचस्प अनुभव देने के लिए इंडस्ट्री में तरीके खोजे जा रहे हैं। इसकी शुरुआत हो चुकी है। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की सफलता से प्रेरित होकर बॉलीवुड में इंटरकनेक्टेड यूनिवर्स और फेंचाइजी के बढ़ते चलन बॉबी देओल ने कहा, मुझे लगता है कि इंडस्ट्री दर्शकों के लिए चीजों को दिलचस्प बनाने के तरीके खोजने की कोशिश कर रही है। इसलिए, चीजें सही होने लगी हैं। वे इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

### इस वजह से निर्माताओं ने अपनाया हाथ

बॉबी देओल का कहना है कि यह एक नई तरह का फ्लेवर है, जिसे इंडस्ट्री ने अपनाया है और यह अब पूरे भारत में हो रहा है। अगर देखा जाए तो दर्शकों के बीच भी इसका उत्साह है और यही वजह है कि फिल्म निर्माताओं ने इसमें हाथ आजमाया है। बता दें कि रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की फिल्मों में सिंघम, सिम्बा और सूर्यवंशी शामिल हैं, जो एक-दूसरे से परस्पर जुड़ी हैं। यश राज फिल्म्स भी स्पाई यूनिवर्स तैयार कर रहा है। इसमें टाइगर फेंचाईजी, वॉर और पठान के किरदार साथ लाने की तैयारी है। वहीं, दिनेश विजन के हॉरर यूनिवर्स में, स्त्री, रूही, भेड़िया और मुजा जैसी फिल्में शामिल हैं। साउथ में भी यह चलन बन गया है। हनुमान जैसी फिल्म का निर्देशन करने वाले प्रशांत वर्मा अलग सुपरहीरो यूनिवर्स बनाने का एलान कर चुके हैं।

# चार साल बाद कमबैक कर खुश हैं दीपिका

चार साल के अंतराल के बाद दीपिका कक्कड़ सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के साथ टेलीविजन पर वापसी कर रही हैं। चार साल के अपने कमबैक पर दीपिका काफी खुश हैं। दीपिका ने एक इंटरव्यू में कहा कि कुकिंग मेरे बचपन का पैशन रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि वह इस शो में आकर अपने बचपन के सपने को पूरी खुशी के साथ पूरा कर रही हैं। दीपिका ने यह भी कहा कि कुकिंग शो के प्रोमो वायरल होने के बाद उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा था। दीपिका का मानना है कि इससे अच्छा कमबैक उनका नहीं हो सकता था।

# इमरजेंसी के लिए थिएटर चुनना एक गलती थी

कई विवादों के कारण फिल्म की रिलीज में देरी झेलने के बाद कंगना रनौत की निर्देशन में बनी फिल्म इमरजेंसी आखिरकार अब सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। प्रशंसक एक बार फिर कंगना को स्क्रीन पर देखने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि, कंगना अब फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज के एक गलती बता रही हैं और उनका मानना है कि ओटीटी पर उन्हें एक बेहतर डील मिल सकती थी। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने और क्या कहा है।

### ओटीटी पर बेहतर डील मिल सकती थी

हाल ही में, एक साक्षात्कार में कंगना से फिल्म की रिलीज में देरी को लेकर पूछा गया। इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं डरी हुई थी। मुझे लगा कि इसे सिनेमाघरों में रिलीज करना गलत फैसला था। मुझे लगा कि मुझे ओटीटी पर बेहतर डील मिल सकती थी। मुझे तब सेंसरशिप से भी नहीं गुजरना पड़ता और मेरी फिल्म को इतने विवादों से होकर नही गुजरना पड़ता। मुझे नहीं पता था कि सेंसर बोर्ड क्या-क्या हटा देंगे और हमें रखने देंगे।

### अभिनेत्री ने की हैं ये गलतियां

अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि उन्हें किन चीजों को लेकर पछतावा है। कंगना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म को बनाने में मैंने कई गलतियां की हैं। सबसे पहली गलती थी फिल्म का निर्देशन करना। मैंने इस चीज को अपने लिए अच्छा समझा कि अब हमारे पास कांग्रेस की सरकार नहीं है तो फिल्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं आएगी। आज तक किसी ने वह फिल्म नहीं देखी है और उस समय, उन्होंने सभी प्रिंट जला दिए थे। इसके अलावा, किसी ने श्रीमती गांधी के बारे में फिल्म नहीं बनाई।

### इस बात का अभिनेत्री को है पछतावा

अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि उन्हें किन चीजों को लेकर पछतावा है। कंगना ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म को बनाने में मैंने कई गलतियां की हैं। सबसे पहली गलती थी फिल्म का निर्देशन करना। मैंने इस चीज को अपने लिए अच्छा समझा कि अब हमारे पास कांग्रेस की सरकार नहीं है तो फिल्म को लेकर कोई दिक्कत नहीं आएगी। आज तक किसी ने वह फिल्म नहीं देखी है और उस समय, उन्होंने सभी प्रिंट जला दिए थे। इसके अलावा, किसी ने श्रीमती गांधी के बारे में फिल्म नहीं बनाई। बता दें कि कंगना रनौत, अनुपम खेर , श्रेयस तलपदे, अशोक छाबड़ा, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, विशाक नायर और सतीश कौशिक की मुख्य भूमिकाओं वाली इमरजेंसी 17 जनवरी को स्क्रीन पर आएगी।

# मैं खुद को साधारण एक्टर मानता हूं, कोई तीसमार खां नहीं

बॉलिवुड में हर रंग की भूमिका अदा कर चुके अभिनेता श्रेयस तलपड़े थिएटर और मराठी फिल्मों की पृष्ठभूमि लेकर आते हैं। अपनी दमदार आवाज से पुष्पा वन ही नहीं बल्कि पुष्पा 2 के साथ-साथ टमुफासान्द लायन किंग से भी दर्शकों का दिल जीतने वाले श्रेयस का मानना है कि निर्देशकों और किरदारों के मामले में वे भाग्यशाली रहे हैं। जल्द ही वो इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में दिखेंगे।

**आप एक समर्थ एक्टर हैं, मगर आपको लगता है कि आपकी प्रतिभा का अब तक पूरा-पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ है?**

अगर दर्शकों को या मेरे चाहने वालों को ऐसा लगता है, तो ये अच्छी बात है। एक एक्टर के लिए तो ये सुखद पहलू है, अगर लोगों को लगता है कि उसका निचोड़ आना अभी बाकी है। मुझ जैसा अभिनेता हमेशा अपने क्राफ्ट को संवारने में यकीन करता है। व्यक्तिगत तौर पर मुझे लगता है कि मैं बहुत बड़ा तीसमार खां नहीं हूं। मैं पूरी ईमानदारी से निर्देशक के विजन का पालन करता हूं, मगर आज के दौर के कई अभिनेता अपने क्राफ्ट पर उतनी मेहनत नहीं करते। जैसे हम खास तौर थिएटर में होमवर्क में आवाज, पोश्चर, अंदाज और लुक पर मेहनत करते थे, आज मुझे उसकी कमी नजर आती है। आज कल जो कहते हैं न, अंडर प्ले करो उसका मतलब कोई नहीं जानता। उन्हें ऐसा लगता है, कम आवाज में बिना मुंह खोले बोलेंगे, तो अंडर प्ले होगा, जो सबसे बड़ी बकवास है। मुझे लगता है कलाकार होने के नाते हमें अपने क्राफ्ट पर काम करते जाना है।

**सालों पहले आप ओम शांति ओम में शाहरुख खान के साथ नजर आए थे और हाल हाल ही में आपने मुफासान्द लायन किंग में टिमोन के किरदार को आवाज दी, जिसमें शाहरुख, आर्यन और अबराम की भी आवाजें थीं?**

बहुत मजा आया। क्योंकि ये सारे आइकॉनिक किरदार हैं। 25 -30 सालोंसे हम इन चरित्रों को देखते सुनते आए हैं। उन किरदारों को हिस्सा बनना बहुत बड़ी बात रही। वाकई शाहरुख खान के साथ एक बड़ी लंबी असोसिएशन रही है और खुशी की बात है कि इस यात्रा में अबराम भी जुड़े, मगर इतना जरूर कहना चाहूंगा कि शाहरुख जितने बड़े कलाकार हैं, उतने ही कमाल के इंसान भी। हमारी ज्यादा मुलाकातें नहीं होतीं, मगर आज भी हम जब मिलते हैं, ओम और पप्पू (ओम शांति ओम के किरदार) की तरह मिलते हैं। मुझसे ज्यादा उन्होंने रिश्तों को मेंटेन किया है। जिन -जिन लोगों के साथ उन्होंने काम किया है, उन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है।

**पुष्पा के बाद पुष्पा 2 में भी आप अल्लू अर्जुन की आवाज बन कर छा गए।**

मैं इसका पूरा श्रेय नहीं ले सकता। ये तो टीम वर्क था, जिसमें एक्टर-डायरेक्टर और पूरे क्रू ने मेहनत की। हां, मेरी कोशिश यही थी कि मैं पुष्पा याने अल्लू अर्जुन की आवाज बनूं। ये लोगों तक पहुंची। मुझे बहुत प्यार मिला इस फिल्म से। और बेहद खुशी है कि पुष्पा 2 में ही मेरी आवाज को सराहा गया। लायन किंग में मेरी डबिंग के बाद ही मुझे पुष्पा की आवाज बनने का मौका मिला।

**आप इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभा रहे हैं। आपसे पहले पंकज त्रिपाठी ने भी इसे अदा किया।**

मैंने पंकज त्रिपाठी अभिनीत मैं अटल हूं नहीं देखी। मैं वो फिल्म देख कर उनसे इंफ्लुएंस नहीं होना चाहता था। मेरे जहन में एक चीज थी कि मेरी निर्देशक (कंगना रनौत) के मन में इस कहानी को लेकर एक कन्विक्शन थी और मैं उसी के अनुसार इस किरदार को निभाना चाहता था। मुझे डर था कि मैं कहीं उस किरदार को कैरिकेचरिस्ट न कर दूं, क्योंकि हमारी जनरेशन ने उन्हें काफी देखा है, उनको मिमिक किया है, तो कोई भी अगर अटल जी को निभा रहा है, तो उसका कैरिकेचरिस्ट होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मेरे साथ एक अच्छी बात ये भी थी कि हम जो दौर दिखा रहे हैं, वो उनकी यंग ऐज है, तो मैंने उसी दौर के हिसाब से किरदार को बुना।

**आपने सालों पहले ओम शांति ओम में फराह खान जैसी महिला निर्देशक के साथ काम किया था और अब आप डायरेक्टर के रूप में कंगना रनौत के संग आए, दोनों निर्देशकों में आपने क्या अंतर पाया?**

मेरे हिसाब से निर्देशक, निर्देशक होता है। उसका औरत या मर्द होने से कोई ताल्लुक नहीं होता। आप सेट पर पहले ही दिन तय कर लेते हैं कि इस निर्देशक की सुननी है या नहीं। आपको पता चल जाता है कि ये निर्देशक कितनी तैयारी के साथ आया है। फराह खान की स्टोरी टेलिंग और फिल्म मेकिंग का अंदाज अलग है, मगर वे सेट पर पूरी तैयारी के साथ आती हैं। ठीक उसी तरह कंगना मैम भी सेट पर अपनी तैयारी के साथ चाक चौबंद होकर आती थीं। सेट पर अटल जी को लेकर मुझसे ज्यादा प्रेपरेशन उन्होंने किया था। निर्देशक महिला हो या पुरुष, उसकी तैयारी परिपूर्ण होनी चाहिए।

# 100 साल की टाइमलेस भव्यता का जश्न मनाते हुए, रेमंड ने लॉन्च किया 'चेयरमैंस कलेक्शन'

## निशा जामवाल द्वारा आयोजित एक शाम के भोज में विरासत और शिल्पकला का उत्कृष्ट प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

मुंबई (एजेंसी) । लग्जरी फैशन में भारत के प्रतिष्ठित नाम रेमंड के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, लग्जरी ब्रांड कंसल्टेंट निशा जामवाल द्वारा चेयरमैंस कलेक्शन को पेश करने के लिए एक शानदार शाम का आयोजन किया गया - शर्ट, बंदगला और टक्सीडो का एक विशिष्ट संग्रह जो कालातीत परिष्कार को फिर से परिभाषित करता है।

द एटेलियर की शानदार पृष्ठभूमि के सामने, विशेष शैम्पेन सनडाउनर ने शहर के कुछ सबसे प्रतिष्ठित नामों को विरासत, कलात्मकता और समकालीन परिष्कार के उत्सव में एक साथ लाया। शाम एक शानदार अनुभव था, जिसमें एक आकर्षक बंदगला कला स्थापना शामिल थी, जो इस प्रतिष्ठित सिल्हूट के पीछे स्थायी शिल्प कौशल को श्रद्धांजलि देती थी। भव्यता को बढ़ाते हुए, पाँच मॉडलों ने संग्रह से बेदाग़ ढंग से तैयार किए गए टुकड़ों में कार्यक्रम स्थल की शोभा बढ़ाई, जिसमें समृद्ध बनावट, जटिल विवरण और परिधान

संबंधी उत्कृष्टता शामिल थी जो रेमंड की विरासत को परिभाषित करती है।

इस कार्यक्रम में रेमंड लाइफस्टाइल लिमिटेड के चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने कहा, यह रेमंड के लिए एक मील का पत्थर साबित होने वाला साल है और चेयरमैन के कलेक्शन का यह सीमित संस्करण भारत की समृद्ध विरासत और शिल्प कौशल के प्रति हमारा ट्रिब्यूट है। रेशमी शर्ट से लेकर बंदगला तक - इस बेहतरीन स्टाइल वाले कलेक्शन में लालित्य और स्टाइल झलकता है, जो रेमंड की पहचान है। लाखों लोगों द्वारा पसंद किए जाने वाले एक घरेलू भारतीय ब्रांड के रूप में, रेमंड ने सभी अवसरों के लिए अलग-अलग कीमतों पर मेन्सवियर की पेशकश की है। निशा जामवाल, जिनका नाम विलासिता और पूर्णता का पर्याय है, ने कहा, ÷हर पीस की भव्यता और चमक इतनी शानदार थी कि मैं उन्हें शहर के मशहूर लोगों के सामने दिखाने के लिए उत्साहित थी मैं इस कलेक्शन में पूर्णता और कलात्मक उत्कृष्टता के लिए गौतम सिंघानिया के जुनून को देख सकती थी।

विरासत और इनोवेशन का एक सहज मिश्रण, चेयरमैन का संग्रह परिष्कृत विलासिता का प्रतीक है। रेमंड रेडी-टू-वियर, पार्क एवेन्यू और एथनिक्स बाय रेमंड द्वारा तैयार किए गए इस संग्रह में जटिल सोने और चांदी की कढ़ाई के साथ शुद्ध रेशम की शर्ट, बारोक और पुनर्जागरण कला से प्रेरित शाही बंदगला और शानदार ढंग से तैयार किए गए टक्सीडो का एक बेहतरीन चयन है जो कालातीत आकर्षण को दर्शाता है। गहरे ज्वेल टोन में भव्य मखमल, उत्तम ज़री अलंकरण और गढ़ी हुई सिल्हूट के साथ, यह संग्रह आधुनिक सज्जन के लिए पावर ड्रेसिंग को फिर से परिभाषित करता है।

शाम का समापन रेमंड की शिल्पकला के प्रति प्रतिबद्धता के प्रति श्रद्धा की भावना के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित लोग विरासत, कलात्मकता और समकालीन परिष्कार का सहज मिश्रण करने वाले संग्रह से मंत्रमुग्ध हो गए। चेयरमैन का संग्रह प्रतिष्ठा और त्रुटिहीन शैली का प्रतीक है और इसे जल्द ही चुनिंदा रेमंड स्टोर्स में लॉन्च किया जाएगा।

# आईएचसीएल ने उदयपुर में ट्री ऑफ लाइफ अमारा रिसॉर्ट एंड स्पा का अनावरण किया

जयपुर टाइम्स

मुंबई(एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी (आईएचसीएल) ने आज उदयपुर में ट्री ऑफ लाइफ - अमारा रिसॉर्ट एंड स्पा के उद्घाटन की घोषणा की। आलीशान अरावली पहाड़ियों के बीच बसा यह शांत रिट्रीट प्राकृतिक परिवेश में आराम और व्यक्तिगत आतिथ्य का एक सहज मिश्रण प्रदान करता है, जो शहर की भागती-दौड़ती जिंदगी से दूर सुकून प्रदान करता है; यह पेशकश इस ब्रांड के सिद्धांतों के अनुरूप है।

आईएचसीएल की ऐक्ज़ीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट-होटल ओपनिंग्स एवं न्यू बिज़नेसिस दीपिका राव ने कहा, ''आईएचसीएल हमेशा से हॉस्पिटैलिटी फॉरमेट्स में क्रांतिकारी बदलाव लाने, डेस्टीनेशंस में अग्रणी रहने और ऐसे ब्रांडों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रही है जो यात्रियों की बदलती प्राथमिकताओं को पूरा कर सकें। आईएचसीएल के ब्रांडस्केप में ट्री ऑफ लाइफ रिसॉर्ट्स एंड होटल्स को शामिल

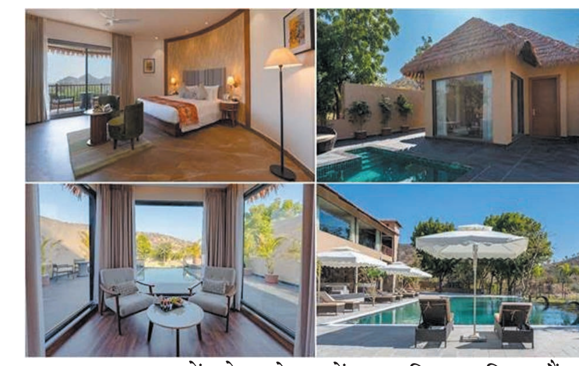

करना खास यात्राओं को क्यूरेट करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है; हम प्रामाणिकता के संग विशिष्टता का संतुलन प्रस्तुत करते हैं।''उन्होंने कहा, ''स्लो ट्रैवल और अनुभवात्मक स्टे की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, ट्री ऑफ लाइफ ने 20 बुटीक प्रॉपर्टीज़ के साथ इस उभरते हुए क्षेत्र में एक खास जगह बनाई है और 2030 तक इसके पोर्टफोलियो में 100 होटल शामिल हो जाएंगे।''

ट्री ऑफ लाइफ अमारा रिसॉर्ट एंड स्पा, उदयपुर शांत विक्रानी झील के किनारे स्थित एक शानदार जगह है, सादगीपूर्ण विलासिता वाले इस रमणीय स्थान के बारे में लोगों को बहुत ज्यादा मालूम नहीं है। इस रिसॉर्ट में 33 विशाल विला हैं, जो पहाड़ियों, निजी बालकनियों और एक इनफिनिटी पूल के मनोरम दृश्य प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। मेहमान सिग्नेचर डाइनिंग वेन्यू डॉन में अपनी थकान मिटा सकते हैं और वैश्विक स्वाद एवं प्रामाणिक राजस्थानी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं, जिनका मेन्यू बहुत विचारपूर्वक तैयार किया गया है। ट्रीहाउस से प्रेरित लाउंज डस्क में आप मंत्रमुग्ध कर देने वाले सूर्यास्त की पृष्ठभूमि में कॉकटेल और शानदार शामों का लुत्फ ले सकते हैं। यहां मौजूद हॉलिस्टिक स्पा अतिथियों के अनुभव को और बढ़ाता है, जिससे हर पल शांति और संतुष्टि का उत्सव बन जाता है।

# एनएमडीसी यूनियनों ने अपना विरोध समाप्त किया

जयपुर टाइम्स

हैदराबाद(एजेंसी)। एनएमडीसी की यूनियनों ने 6 मार्च 2025 से प्रारम्भ हुए विरोध को वापस ले लिया है।

फेडरेशन ऑफ यूनियंस ने अपने सदस्यों से 20 मार्च 2025 की पहली शिफ्ट से ड्यूटी फिर से पूरी तरह से प्रारम्भ करने और सर्वोत्तम परिणाम देने के लिए अपने समर्थन और प्रतिबद्धता देने के लिए कहा । कर्मचारियों ने ड्यूटी फिर से शुरू कर दी है और सभी परियोजनाओं में सामान्य परिचालन फिर से प्रारंभ हो गया है । एनएमडीसी प्रबंधन अपने कार्मिकों के महत्व को समझता और उन्हें सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान देता है । काम फिर से शुरू करने का यह निर्णय आपसी संबंधों और विश्वास को और अधिक मजबूत करेगा । इस महत्वपूर्ण समय पर परिचालन फिर से शुरू होने से एनएमडीसी को अपने उत्पादन में तेजी लाने और लक्ष्यों को पूरा करने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी ।

# एमएसडीई ने विशेष कार्यशाला 'पीएमकेवीवाय इम्प्लीमेंटेशन विद अवॉर्डिंग बॉडीज' का किया आयोजन

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने अपनी पहल 'कौशल मंथन' के तहत नई दिल्ली के कौशल भवन स्थित कॉन्फ्रेन्स हॉल में एक विशेष कार्यशाला 'पीएमकेवीवाय इम्प्लीमेंटेशन विद अवॉर्डिंग बॉडीज़ (मान्यता देने वाले संगठनों के साथ प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का निष्पादन)' का आयोजन किया।

इस कार्यशाला में राष्ट्रीय व्यवसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद , राष्ट्रीय विद्युत एवं सूचना प्रोद्योगिकी संस्थान , केन्द्रीय पेट्रोकैमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रोद्यौगिकी संस्थान राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों जैसे आईआईटी मंडी, आईआईटी रोपड़ एवं आईआईएम तथा मान्यता देने वाले अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इन सभी प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के परफोर्मेन्स, चुनौतियों एवं भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श किया।कार्यशाला की अध्यक्षता एवं उद्घाटन कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने किया। उन्होंने प्रशिक्षण चक्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण की गुणवत्ता को मजबूत बनाने में मान्यता देने वाले संगठनों की भूमिका, इन संगठनों के परफोर्मेन्स की समीक्षा, मूल्यांकन प्रक्रिया के मानकीकरण पर रोशनी डाली। इस संदर्भ में जारी की गई नई मानक संचालन प्रक्रिया के बारे में संक्षेप में बताया। साथ ही मूल्यांकन प्रक्रिया में इन संगठनों के सामने आने वाली चुनौतियों, इनके समाधान, स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से शिकायत निवारण प्रणाली के सशक्तीकरण, उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण को बढ़ावा देने, कौशल विकास प्रशिक्षण को महत्वाकांक्षी उम्मीदवारों के लिए सुलभ बनाने हेतु ओद्योगिक साझेदारियों के महत्व पर भी विचार रखे। उच्च गुणवत्ता के कौशल प्रमाणीकरण तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के सुगम निष्पादन को सुनिश्चित करने में इन संगठनों की भूमिका पर ज़ोर देते हुए कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने कहा, ''पिछले कुछ सालों के दौरान भारत की कौशल प्रणाली तेज़ी से विकसित हुई है और इसने दुनिया भर में विशेष पहचान हासिल की है।

## गोदरेज एग्रोवेट, डीईआई लैब और आईआईएमए रिपोर्ट

# कृषि कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी 64.4% है, फिर भी 6%-10% महिलाएं शीर्ष कृषि कंपनियों में कार्यरत हैं

जयपुर टाइम्स

मुंबइ(एजेंसी)। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट), एक विविध अनुसंधान एवं विकास-केंद्रित खाद्य और कृषि-व्यवसाय समूह, ने भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) और गोदरेज डीईआई लैब के सहयोग से अपने दूसरे महिला कृषि शिखर सम्मेलन में कृषि व्यवसाय में महिलाएं - अवसर और चुनौतियां रिपोर्ट लॉन्च की।

रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत के कृषि कार्यबल में 64.4 प्रतिशत महिलाएं हैं, फिर भी केवल 6 प्रतिशत से 10 प्रतिशत ही शीर्ष कृषि और कृषि-संबंधित कंपनियों में कार्यरत हैं। इसमें कृषि व्यवसाय में समावेश, नवाचार और न्यायसंगत विकास को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई योग्य उपायों की रूपरेखा दी गई है। रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज एग्रोवेट के प्रबंध निदेशक बलराम सिंह यादव ने कहा, गोदरेज एग्रोवेट में, हम मानते हैं कि कृषि व्यवसाय का भविष्य शिक्षा, कार्यस्थल समावेशिता और नेतृत्व विकास के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने में निहित है। मेंटरशिप को बढ़ावा देकर, उद्योग की जरूरतों के साथ कौशल को जोड़कर और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य सार्थक बदलाव लाना और एक लचीला, न्यायसंगत क्षेत्र बनाना है।÷

उन्होंने आगे कहा, ÷पिछले साल, हमने कृषि मूल्य श्रृंखला में 100,000 महिलाओं को समर्थन देने का संकल्प लिया था, और मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने सिर्फ़ एक साल में 20,000 महिलाओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। प्रशिक्षण, सुरक्षित स्थान बनाने और नेतृत्व को सक्षम बनाने के जरिये, हम एक सशक्त कृषि व्यवसाय समुदाय का निर्माण कर रहे हैं।÷

आईआईएमए की फैकल्टी सदस्य प्रो. विद्या वेमिरेड्डी ने कहा, ÷भारत में कृषि परिदृश्य हमें एक आश्चर्यजनक विरोधाभास के साथ प्रस्तुत करता है॰ महिलाएं कृषि

कार्यबल और शैक्षिक समूहों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, फिर भी स्नातकों का एक बड़ा हिस्सा औपचारिक रोजगार संरचनाओं और नेतृत्व के पदों में प्रवेश नहीं करता है। यह अध्ययन कृषि व्यवसाय उद्यमों के भीतर औपचारिक रोजगार संबंधों में महिलाओं की भागीदारी के बारे में महत्वपूर्ण ज्ञान अंतराल को संबोधित करता है।

रिपोर्ट कृषि में लैंगिक असमानताओं को पाटने के लिए एक रोडमैप प्रदान करती है। इसमें संसाधनों तक समान पहुंच, लिंग-संवेदनशील प्रशिक्षण और समावेशी कार्यस्थल सुधारों की मांग की गई है। शिक्षा से रोजगार में बदलाव को प्राथमिकता देना, नेतृत्व प्रतिनिधित्व को बढ़ाना और वित्तीय और तकनीकी उपकरणों का लाभ उठाना परिवर्तनकारी रणनीतियों के रूप में उजागर किया गया है। साथ में, इन कार्यों का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और कृषि मूल्य श्रृंखला में समान विकास को बढ़ावा देना है।

शिखर सम्मेलन में, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की कार्यकारी अध्यक्ष निसाबा गोदरेज और बलराम सिंह यादव ने गोदरेज एग्रोवेट वीमेन इन एग्रीकल्चर स्कॉलरशिप के शुभारंभ की घोषणा की, जिससे कृषि अध्ययन करने वाली पांच छात्राओं को सशक्त बनाया जाएगा और अगली पीढ़ी की महिला नेताओं को बढ़ावा मिलेगा। गोदरेज एग्रोवेट की मानव संसाधन प्रमुख मल्लिका मुटरेजा ने कहा, ÷कृषि अध्ययन में कुल नामांकन में महिलाओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत है, फिर भी केवल 6 प्रतिशत से 10 प्रतिशत ही शीर्ष कृषि और कृषि-संबंधित कंपनियों में काम करती हैं। यह बड़ा अंतर उद्योग के लिए इन असमानताओं को पाटने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता को उजागर करता है। समावेशी नीतियों को बढ़ावा देने और अवसर पैदा करने से इस असंतुलन को दूर करना संभव है और साथ ही महिलाओं द्वारा इस क्षेत्र में लाए जाने वाले नवाचार और लचीलेपन को भी सामने लाना है, जिससे इसका सतत विकास हो सके। उन्होंने आगे कहा, ÷गोदरेज एग्रोवेट में हमने वित्त वर्ष 2025 में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया है और वित्त वर्ष 2028 तक इसे 32 प्रतिशत तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्रेच और देखभाल नीतियों जैसी पहलों के माध्यम से, फ्रंटलाइन भूमिकाओं में महिलाओं के लिए सुरक्षित और संरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ, हम एक समावेशी और सहायक कार्यस्थल को बढ़ावा दे रहे हैं जो महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है।÷

खेत से लेकर खाने की थाली तक खाद्य मूल्य श्रृंखला में महिलाओं को सशक्त बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने के लिए गोदरेज एग्रोवेट ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी गोदरेज फूड्स लिमिटेड (जीएफएल) की प्रभावशाली पहलों पर प्रकाश डाला। कर्नाटक में भाग्यम्मा और नासिक में जयश्री जैसे किसानों का समर्थन करके और मणिपुर में रोज़ालीन जैसे वितरण नेताओं को सक्षम करके, जीएफएल समावेशिता और लचीलापन को बढ़ावा दे रहा है। विंग्स जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से, जीएफएल अधिक महिलाओं को बिक्री, विपणन और नेतृत्व की भूमिकाओं में ला रहा है, नवाचार को बढ़ावा दे रहा है और महिलाओं के नेतृत्व में एक न्यायसंगत और टिकाऊ खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को आकार दे रहा है।

शिखर सम्मेलन में दो पैनल चर्चाएं भी हुई। गोदरेज एग्रोवेट की मानव संसाधन प्रमुख मल्लिका मुटरेजा द्वारा संचालित कृषि में महिलाओं के लिए बाधाओं को तोड़ना में पैनलिस्ट कीर्ति जांगड़ा, सह-संस्थापक, एनिमल; आशा खरगा, मुख्य ग्राहक और ब्रांड अधिकारी, महिंद्रा समूह; अनिता पोलीमेतला, एचआर एपीएसी और ग्लोबल एचआरबीपी प्रमुख, बीएएसएफ और प्रोफेसर विद्या वेमिरेड्डी, संकाय सदस्य, भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) शामिल थे।

गोदरेज डीईआई लैब के प्रमुख परमेश शाहानी द्वारा संचालित ÷बोर्डरूम टू ब्रेकथ्रूज़॰ विमेन इन लीडरशिप÷ में वीआईपी इंडस्ट्रीज की प्रबंध निदेशक नीतू काशीरामका, अंकुर कैपिटल की संस्थापक और प्रबंध साझेदार रितु वर्मा और वॉटरफील्ड एडवाइजर्स की प्रबंध निदेशक सौम्या राजन शामिल थीं।

कृषि में महिला शिखर सम्मेलन प्रणालीगत परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक बन गया है। अपनी पहलों और अंतर्दृष्टि के माध्यम से, गोदरेज एग्रोवेट महिलाओं के योगदान को पहचानने, उनका जश्न मनाने और उन्हें बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है, जिससे अधिक समावेशी और न्यायसंगत कृषि भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

# यस सिक्योरिटीज ने ओमनी ऐप के साथ निवेशकों को उनके अपने अंदाज में निवेश करने के लिए सशक्त बनाया

जयपुर टाइम्स

मुंबई(एजेंसी)। निवेश एक व्यक्तिगत अनुभव है और यस बैंक की सहायक कंपनी यस सिक्योरिटीज इसे और भी व्यक्तिगत बना रही है, एक ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाकर जो व्यक्तिगत निवेशक की प्राथमिकताओं के अनुकूल है। यस सिक्योरिटीज निवेश के तरीके को एक नई पहचान देने का प्रयास कर रही है, यह सुनिश्चित करते हुए कि निवेशकों को अपनी शर्तों पर बेहतर वित्तीय निर्णय लेने की स्वतंत्रता, लचीलापन और अंतर्दृष्टि मिले।यस सिक्योरिटीज ने ओमनी नामक एक उन्नत निवेश और ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया है, जिसे निवेशकों को निवेश करो अपने स्टाइल से के सिद्धांत पर सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ओमनी ऐप विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों और निवेश थीम में निवेश करने की लचीलापन प्रदान करता है। चाहे कोई सतर्क दीर्घकालिक योजना के साथ निवेश करता हो या हाइ फ्रीक्वेन्सी वाला ट्रेडर, या फिर निवेश की यात्रा शुरू कर रहा है

# टाटा पावर की बड़ी उपलब्धि, कुल 3 गीगावॉट क्षमता के 1.5 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन किए

**टाटा पावर रूफटॉप सोलर अब 700 से ज़्यादा शहरों में पहुंच चूका है**

जयपुर टाइम्स

राष्ट्रीय(एजेंसी)। टाटा पावर ने पूरे भारत में 1,50,000 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। देश भर में टाटा पावर के रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की कुल क्षमता अब लगभग 3 गीगावॉट तक पहुंच गई है। यह उपलब्धि भारत के अक्षय ऊर्जा परिवर्तन में कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।

700 से अधिक शहरों में मज़बूत उपस्थिति के साथ, टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL) की एक उपकंपनी, टाटा पावर सोलर रूफटॉप, भारत के सस्टेनेबल, ऊर्जा-कुशल भविष्य की ओर संक्रमण में सबसे आगे रही है। टाटा पावर सोलर रूफटॉप के साथ कई लाभ जुड़े हुए हैं, जिन्हें टाटा पावर सोलरूफ़ के रूप में विपणन किया जाता है, जिसमें बिजली के बिलों में 80% की कमी, सौर मॉड्यूल पर 25 साल की वारंटी और 4-7 साल की पेबैक अवधि शामिल है।

यह प्रणाली बिजली शुल्क में वार्षिक वृद्धि से बचाती है, जो आमतौर पर 3-5% तक होती है। इसके अलावा, कंपनी अपने तमिलनाडु कारखाने में सौर पैनल बना रही है, जिन्हें ALMM द्वारा मंजूर किया गया है।

टाटा पावर पीएसयू और निजी बैंकों सहित 20 से अधिक वित्तीय भागीदारों के ज़रिए फाइनेंसिंग के लचीले विकल्प भी उपलब्ध कराती है, जिससे सभी के लिए सौर ऊर्जा को अपनाना सुलभ और किफ़ायती हो गया है।

यह कंपनी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना और अपने प्रमुख 'घर घर सोलर' अभियान के माध्यम से सौर ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए सरकार के मिशन का समर्थन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

# अमेज़न ने स्थानीय निर्यातकों को प्रशिक्षित करने और उन्हें अपने ग्लोबल सेलिंग कार्यक्रम में शामिल करने के लिए जयपुर में किया 'एक्सपोर्ट कनेक्ट' का आयोजन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। अमेज़न ने आज जयपुर के जीवंत व्यापारिक समुदाय के लिए ई-कॉमर्स निर्यात की संभावनाओं को प्रदर्शित करने के लिए फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइज़ेशन (एफआईईओ) और राजस्थान निर्यात संवर्द्धन परिषद के सहयोग से अपने प्रमुख कार्यक्रम 'एक्सपोर्ट कनेक्ट 2025' की मेज़बानी की। इस सम्मेलन में जयपुर और उसके आसपास के 400 से अधिक निर्यातकों ने भाग लिया।

इस सम्मेलन का उद्देश्य था, स्थानीय एमएसएमई को अमेज़न ग्लोबल सेलिंग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा साझा किए गए ज्ञान और माध्यमों से सशक्त बनाना, ताकि उन्हें वैश्विक बाज़ारों तक अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद मिले। एईपीसी के महासचिव, मिथिलेश्वर ठाकुर ने एक व्यावहारिक मुख्य भाषण दिया, एफआईईओ और आरईपीसी ने उद्योग के बारे में आवश्यक दृष्टिकोण साझा किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को ई-कॉमर्स के साथ निर्यात की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी गई और इसके ज़रिये दुनिया भर में लाखों ग्राहकों तक पहुंचने के लिए अमेज़न ग्लोबल सेलिंग का लाभ उठाने का तरीका सीखने का मौका दिया गया।

## दयाल नगर को फुलेरा नगरपालिका शामिल करने की मांग

जयपुर टाइम्स

**फुलेरा(निसं.)।** निकटवर्ती राजस्व ग्राम दयाल नगर के स्थानीय लोगों ने ग्राम पंचायत काचरोदा से हटाकर नगर पालिका फुलेरा में शामिल करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन उपखंड अधिकारी सांभरलेक को सौंपा है। स्थानीय भंवरलाल कुमावत ने बताया कि दयाल नगर की कई कॉलोनियां - कच्छी गोदाम, आदर्श रैगर बस्ती, गणपति नगर, कुमावत कॉलोनी, वैशाली नगर, रजत विहार, श्याम सिटी, बड़ की ढाणी और डेल्डा की ढाणी—फुलेरा नगर पालिका क्षेत्र की शोभा बढ़ा रही हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, नगर पालिका फुलेरा द्वारा आबादी भूखंड के पट्टे और अन्य राजस्व कार्य किए जा रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में सड़क लाइट जैसी सुविधाएं भी नगर पालिका द्वारा दी जा रही हैं। इसके बावजूद, प्रशासन ने दयाल नगर को ग्राम पंचायत काचरोदा, ब्लॉक सांभरलेक के अधीन रखा हुआ है। लोगों का कहना है कि यह निर्णय न्यायसंगत नहीं है। वह चाहते हैं कि दयाल नगर का पुनर्गठन कर इसे फुलेरा नगर पालिका में शामिल किया जाए। इससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और स्थानीय लोगों को नगर पालिका की सभी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। साथ ही, फुलेरा नगर पालिका के राजस्व में भी वृद्धि होगी। इसी मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है, इस अवसर पर कई स्थानीय लोग मौजूद थे।

## ई-केवाईसी अवश्य करवाएं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लाभार्थी

जयपुर टाइम्स

**सवाई माधोपुर(निसं.)।** राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत चयनित समस्त लाभार्थियों को पूर्ण रूप से लाभ दिलवाने हेतु खाद्य विभाग, जयपुर द्वारा ई-केवाईसी अभियान द्वारा समस्त लाभार्थियों की ई-केवाईसी उचित मूल्य दुकानदारों के माध्यम से पूर्ण करवायी जा रही है। जिला रसद अधिकारी रामभजन मीना द्वारा बताया कि इसके पश्चात भी एनएफएसए के राशनकार्डो में 01 वर्ष से 5 वर्ष के बच्चें जिनका आधारकार्ड नही बना है , 05 से 10 वर्ष के आयु के बच्चों का आधारकार्ड बॉयोमैट्रिक अपडेट नही है, ऐसे लाभार्थी जिनका अधिक आयु / शारिरिक अक्षमता के कारण बॉयोमैट्रिक सत्यापन नही हो पाता, ऐसे लाभार्थी जो ईलाज के चलते चिकित्सालयों मे भर्ती है, लाभार्थी जो कैदी है , शारिरिक रूप से विंकलाग, मानसिक रूप से अविकसित, लम्बे समय से बीमारी के कारण शैया पर रहने वाले रोगी , लाभार्थियों को ई-केवाईसी के अभाव में राशन सामग्री प्राप्ति मे हो रही समस्याओं का निराकरण करते हुए खाद्य विभाग द्वारा उक्त सभी पात्र लाभार्थियों हेतु जिला स्तर पर विकल्प उपलब्ध कराया गया है ताकि उक्त उपभोक्ताओं को राशन सामग्री सुगमता से उपलब्ध करायी जा सके। उन्होने बताया कि ऐसे कोई भी पात्र लाभार्थी अपने आधारकार्ड, राशनकार्ड के साथ अपने सम्बन्धित क्षेत्र के प्रवर्तन अधिकारी/निरीक्षक अथवा जिला रसद कार्यालय में सम्पर्क करें , और लाभार्थी होने का प्रमाण स्वयं / परिवारजन (स्वयं के उपस्थित नही होने की स्थिति में) द्वारा प्रस्तुत कर सकते है।

## कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

**सवाईमाधोपुर(निसं.)।** अग्रसेन नगर स्थित संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारम्भ हुआ। यह कलश यात्रा संकट मोचन हनुमान मंदिर पटेल नगर से 221 कलशो के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमे बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश लेकर शोभा यात्रा में शामिल हुई। कलश यात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई अग्रसेन नगर स्थित कथा स्थल पर पहुंची। कथा प्रवक्ता श्री चेतराम जी महाराज साहित्याचार्य कथा का वाचन किया । 21 मार्च से 28 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक भक्त कथा का श्रवण कर सकेगे। आयोजक श्यामसुंदर, गणेश, चंद्रप्रकाश अग्रवाल (श्याम प्रॉपर्टी डीलर) ने जानकारी दी।

## रमजान का तीसरा जुम्माः मुस्लिम समाज ने अदा की नमाज और मांगी खुशहाली की दुआ।

जयपुर टाइम्स

**बाली पाली(निसं.)** बाली पाली/आज, 21 मार्च 2025, रमजान के पवित्र महीने का तीसरा जुम्मा देशभर में बड़े धूमधाम से मनाया गया। हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय ने मस्जिदों में इकट्ठा होकर अल्लाह के बारगाह में सर झुका कर नमाजे जुम्मा अदा की। इस अवसर पर पेश इमाम मौलाना निजामुद्दीन अकबरी ने नाते पाक सुनाते हुए युवाओं को जंगें बद्र का वाकिया सुनाया। उन्होंने बताया कि बद्र के मैदान में सिर्फ 313 साबिया इकराम ने रोजे की हालत में जीत हासिल की थी, जबकि उनके खिलाफ हजारों की संख्या में लश्कर था। मौलाना ने जकात देने का तरीका भी बताया और रोजा हज के महत्व पर चर्चा की। आज रमजान के बीस रोजे पूरे हुए हैं और मुस्लिम समाज के लोग एतकाफ में बैठकर अल्लाह की इबादत करने के लिए तैयार हैं। नमाजे जुम्मा अदा करने के बाद मौलाना निजामुद्दीन अकबरी ने हाथ उठाकर बाली के सभी लोगों के लिए दुआ मांगी, जो बीमार और मुसीबत में हैं। उन्होंने अल्लाह से सभी के लिए स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इस पवित्र माह में सामूहिक इबादत का महत्व बढ़ जाता है, और आज का दिन विशेष रूप से दुआओं और तौबा का दिन माना जाता है। मुस्लिम समुदाय ने एकजुटता से अल्लाह से अपनी समस्याओं का हल मांगा और एक-दूसरे के साथ भाईचारे की भावना को मजबूत किया। इस रमजान में तीसरे जुम्मे का यह दिन सभी के लिए विशेष आशीर्वाद लेकर आया है, और उम्मीद है कि अल्लाह सबकी दुआओं को कबूल करेगा।

## महिला वित सशक्तिकरण को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

### सशक्त महिला समृद्ध समाज, समृद्ध समाज तो विकसित राष्ट्र की पहल पर कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** आर विराट वेल्थ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर गुरुवार को विराट महिला वित्त सशक्तिकरण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यशाला में सैकड़ो महिलाओं ने परिवार सहित भाग लिया। कार्यक्रम आयोजन के अंतर्गत उपस्थित अतिथियों ने सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस कार्यक्रम के दौरान लक्ष्मी अय्यर, सीईओ, कोटक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, निमेश चंदन सीईओ, बजाज फिनसर्व म्युचुअल फंड, श्वेता काम्मा वित्तीय प्रशिक्षक व सलाहकार, रोहित कुमार फाउंडर आर विराट वेल्थ मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान आर विराट वेल्थ द्वारा विराट महिला वित्त सशक्तिकरण कार्यशाला को लेकर महिलाओं को विशेष रूप से बचत एवं सही दिशा में निवेश करने के महत्व को बताया और महिलाओं को उनकी वित्तीय स्वतंत्रता के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए बचत से संबंधित महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की गई। इस दौरान अनेकों प्रबुद्ध महिलाओं ने भी अपने विचार साझा किए, जिसका आर्थिक समृद्धि से सीधा संबंध था कि जब तक महिलाएं सशक्त नहीं होगी समाज समृद्ध नहीं होगा।आर विराट वेल्थ के फाउंडर रोहित कुमार ने कंपाउंडिंग के महत्व पर प्रकाश डाला, साथ ही सही बचत का चयन और कंपाउंडिंग को विशेष महत्व के विषय पर चर्चा की। इसके दौरान फाउंडर ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को निवेश के प्रति जागरूक करना एवं भविष्य को सुरक्षित करना है, जिससे महिलाएं समृद्ध और आर्थिक रूप से सुदृढ़ बन सके तो भारत विकसित राष्ट्र होगा। वही कार्यक्रम आयोजन के अंतर्गत बाहर से आए हुए लोगों को प्रतीक चिन्ह देखकर तथा साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया।इस दौरान जयपुर हेरिटेज निगम मेयर कुसुम यादव,एडीएम गोपाल सिंह शेखावत, एसडीएम ऋषिराज कपिल सहित अनेकों महिलाओं ने परिवार सहित कार्यशाला में हिस्सा लिया।

## जिला अस्पताल नोखा में सोनाग्राफी मशीन फांक रही है धूल

**नोखा(निसं.)** जिला अस्पताल नोखा में बंद पड़ी सोनोग्राफी जांच मशीन को शुरु करने हेतू वार्ड पार्षद अंकित तोषनीवाल ने राजस्थान सरकार के चिकित्सा मंत्री को पत्र भेजकर व उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सोंपकर संज्ञान दिलवाया। ज्ञापन में बताया गया कि जिला अस्पताल नोखा में सोनाग्राफी जांच मशीन की सेवाएं पहले शुरू थी अभी पिछले काफी लंबे समय से इसकी जांच सेवाएं बंद पड़ी है ओर सोनोग्राफी जांच मशीन रूम के ताला मारकर रूम को बंद किया हुआ है। जबकि अस्पताल में रोजाना नोखा तहसील के करीब 50 मरीज सोनाग्राफी जांच के लिए उपयुक्त पाये जाते है

## केंद्रीय कारागृह के बंदियों की ओर से बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी 'आशायें' प्रदर्शित

**बीकानेर(निसं.)** केंद्रीय कारागृह के बंदियों की ओर से बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी 'आशायें' का उद्घाटन शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल कुमार सक्सेना, जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि और एसपी कावेंद्र सागर ने किया। प्रदर्शनी में लोहे का पीढ़ा, हैंडमेड पेंटिंग, मसाले, इको फ्रेंडली पेन, कपड़े, कुर्ते, लोहे के चूल्हे, दरियां, फिनायल और सीख झाडू आदि प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए रखा गया। इस अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सक्सेना ने कहा- केंद्रीय कारागृह प्रशासन की ओर से बंदियों के हुनर को पहचानते हुए उन्हें स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया गया है। यह उनके पुनर्वास के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि कारागृह प्रशासन की ओर से किया जा रहे नवाचार समाज के लिए नजीर है। कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कहा- बंदियों के समय का सदुपयोग हो और वे समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें। इसके मद्देनजर यह पहल की गई है। कारागृह अधीक्षक सुमन मालीवाल ने कहा कि सभी बंदियों को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इसकी आमदनी का 25 प्रतिशत हिस्सा उनके पीड़ित पक्ष को मिलेगा। समाज में लौटने पर यह बंदी कौशल के साथ मुख्यधारा से जुड़ेंगे। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मांडवी राजवी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेश कुमार सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

## रोजगार सहायता शिविर शुक्रवार को, तैयारियों को दिया अंतिम रूप

**बीकानेर (निसं.)** जिला प्रशासन के निर्देशन में उप-क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय द्वारा शुक्रवार को एम.एम. ग्राउण्ड में रोजगार सहायता शिविर आयोजित होगा। इसकी शुरुआत प्रातः 9:30 बजे होगी। इससे जुड़ी सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के उपनिदेशक हरगोबिन्द मित्तल ने बताया कि शिविर में जिले के बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार सहायता, स्वरोजगार एवं रोजगार हेतु व्यक्तिगत मार्गदर्शन, सरकारी योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। मित्तल ने बताया कि बेरोजगार आशार्थी क्यू.आर. कोड के माध्यम से मेला स्थल पर ऑन स्पॉट पंजीयन करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक निजी क्षेत्र की 25 प्रतिष्ठित संस्थाओं और कम्पनियों ने रोजगार शिविर में भाग लेने के लिए पंजीयन करवाया है।

## रामसर कुआं में रात्रि चौपाल, एसडीएम ने सुनी समस्याएं

*रावतसर(निसं.) । ग्राम पंचायत रामसर कुआं में शुक्रवार रात को बाड़मेर एसडीएम वीरमाराम चौधरी की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल आयोजित की गई। इस मौके पर एसडीएम ने विधुत, पेयजल, चिकित्सा सहित आमजन की समस्याएं सुनी और मौके पर हाथों-हाथ समाधान किया। इस मौके पर सरपंच रम्भा देवी ने किसानों के कृषि आदान अनुदान राशि दिलाने, गतवर्ष का फसल क्लेम दिलाने, राउप्रावि घोनरी नाडी को क्रमोन्नत करने, पशु उपस्वास्थ्य केंद्र खोलने और ग्राम पंचायत रामसर कुआं में नियमित पेयजल आपूर्ति की मांग की। बाड़मेर एसडीएम वीरमाराम चौधरी, बाड़मेर ग्रामीण तहसीलदार रामलाल, विकास अधिकारी नीतू व्यास, सरपंच रम्भा देवी,ग्राम विकास अधिकारी कृष्ण कुमार,पीइईओ गौतम गोदारा, सरपंच प्रतिनिधि विशनाराम कड़वासरा, जीएसएस व्यवस्थापक राऊराम सारण, कृषि पर्यवेक्षक दीपक सहित प्रशासनिक अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।*

प्रारूप - 10
(नियम 6 (7) देखिए

### प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय, नगर परिषद, दूदू, जिला जयपुर

क्रंमाक- 451 दिनांक- 04 मार्च 2025

**लोक सूचना**

इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि के अनुसार भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भुमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, जिनका विवरण निम्न सारणी के अनुसार है ।

| आवेदक का विवरण | ग्राम, जिले, तहसील का नाम | खसरे व क्षेत्रफल | चाहा गया उपयोग |
|---|---|---|---|
| 01 - श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री भैरूराम साहू, 7जाति तेली, निवासी गढ के पीछे, करणी माता, दूदू 02 - श्री नन्दसिंह पुत्र श्री रामसिंह, जाति रावणा राजपूत, निवासी पचाला, तहसील फागी, जयपुर | ग्राम दूदू, तह. दूदू जिला जयपुर | खसरा न. 8951 /7013 रकबा 0. 4046 हैक्टेयर, कुल खसरे 01 कुल रकबा 0.4046 हैक्टेयर भूमि सम्पूर्ण | आवासीय / व्यावसायिक योजना प्रयोजनार्थ |
| श्री विनोद वर्मा पुत्र श्री गोपाल लाल, जाति धोबी, निवासी धोबियो का मोहल्ला, बगरू, जयपुर जिला जयपुर (राज.) | ग्राम दूदू, तह. दूदू जिला जयपुर | खसरा न. 6422 रकबा 0.5800 हैक्टेयर, खसरा न. 6423 रकबा 0. 1000 हैक्टेयर व खसरा न. 8985/5955 रकबा 0.0786 हैक्टेयर, कुल खसरे 03 कुल रकबा 0.7586 हैक्टेयर भूमि सम्पूर्ण | आवासीय योजना प्रयोजनार्थ |

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्तारकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपयुक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी को कोई आपेक्ष नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन दिनांक 04 मार्च 2025 को जारी की गई है।

**प्राधिकृत अधिकारी**
**नगर परिषद दूदू**

प्रारूप - 10
नियम 6 (7) देखिए

### प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय, नगर परिषद, दूदू, जिला जयपुर

क्रंमाक - 449 दिनांक- 04 मार्च 2025

**लोक सूचना**

01 - श्री मुनीश कुमार जैन पुत्र श्री फूलचन्द जैन, उम्र 55 वर्ष, जाति जैन, निवासी बीपीसीएल पैट्रोल पम्प के पीछे, दूदू तहसील दूदू जिला जयपुर आवेदित ख.न. 296, 297, 310, 311, 7508/311, 8977/312 में हिस्सा 3160/8857, 02-श्री दिनेश संचेती पुत्र स्व. श्री सागर मल संचेती, उम्र 50 वर्ष, जाति महाजन, निवासी 75, ओसवाल मौहल्ला, किशनगढ, मदनगंज - किशनगढ़, जिला अजमेर आवेदित ख.न. 296, 297, 310, 311, 7508/311, 8977/312 में हिस्सा 2107/17714, 03- श्री महेश कुमार जैन पुत्र श्री ग्यारसी लाल जैन, उम्र 53 वर्ष, जाति जैन, निवासी आर.डी. मित्तल हॉस्पिटल पुरानी मिल चौराहा सिटी रोड़, किशनगढ, जिला अजमेर आवेदित ख.न. 296, 297, 310, 311, 7508/311, 8977 / 312 में हिस्सा - 9287/17714, 04-श्री जीत मल बागरेचा पुत्र श्री अमरचन्द बागरेचा, उम्र 59 वर्ष, जाति महाजन, निवासी 78, राधा मार्ग, सेक्टर 6 विद्याधर नगर, जयपुर जिला जयपुर आवेदित ख.न. 298 में हिस्सा सम्पूर्ण ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि के अनुसार भूमि का गैर - कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भुमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

| ग्राम, जिले, तहसील का नाम | खसरे व क्षेत्रफल | चाहा गया उपयोग |
|---|---|---|
| ग्राम दूदू तह. दूदू जिला जयपुर | खसरा न. 296 रकबा 0.1200 हैक्टेयर, खसरा न. 297 रकबा 0.3776 हैक्टेयर, खसरा न. 310 रकबा 0.0500 हैक्टेयर, खसरा न. 311 रकबा 0.0600 हैक्टेयर, खसरा न. 7508 / 311 रकबा 0.3000 हैक्टेयर, खसरा न. 8977 / 312 रकबा 0.8638 हैक्टेयर, कुल खसरे 06 कुल रकबा 1.7714 हैक्टेयर भूमि सम्पूर्ण भूमि व खसरा न. 298 रकबा 0.7600 हैक्टेयर सम्पूर्ण भूमि कुल आवेदित रकबा 2.5314 हैक्टेयर भूमि | आवासीय / व्यावसायिक योजना प्रयोजनार्थ |

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्तारकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा ।
उपयुक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाएगा कि किसी को कोई आपेक्ष नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जाएगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन दिनांक 04 मार्च 2025 को जारी की गई है।

**प्राधिकृत अधिकारी**
**नगर परिषद दूदू**

### आवश्यक सुचना

मेरा मुवक्लि प्रभुराम पुत्र मालाराम जाती जाट निवासी झाडसा छोटा तहसील तारानगर जिला चूरू कि हिदायतानुसार आम सर्वसाधारण सुचना दी जा रही
है-
1 यह कि मेरे मुवक्किल का लडका राजकुमार मेरे मुवक्किल व उसके परीवार के कहने सुनने में नहीं है जो कि गलत संगती में रहता है तथा अपनी मन मर्जी से गलत कार्य करता है इसलिए आज दिनांक 21.03.2025 को मेरा मुवक्किल राजकुमार को अपनी समस्त चल अचल सम्पती से बेदखल करता है तथा आज से पुर्व व भविष्य में मेरे मुवक्किल का पुत्र किसी भी व्यक्ति के साथ लेन देन व संव्यवहार किया है या करेगा तथा किसी के साथ व्यक्तिगत व्यवहार करता है तो मेरे मुवक्किल की किसी भी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। जिसकी जिम्मेदार राजकुमार होगी मेरा मुवक्किल का आज से अपने पुत्र राजकुमार से कोई सम्बध नहीं रहा ।
सूचित हो ।
स्थान: तारानगर

**पवन कुमार योगी**
**एडवोकेट**
**नाईयों की खेड़ी, वार्ड नं. 16**
**तारानगर जिला चूरू**
**मोबाईल नं. 9784854997**

## कार्यालय ग्राम पंचायत मगरासर,
### पंचायत समिति सुजानगढ़ (चूरू)

कमांक- ग्रा.प.मगरासर / ई. नि. / 2024-25 / 68-79 दिनांक 19-03-25

### ई निविदा सूचना 08-09/2024-25

ग्राम पंचायत मगरासर पंचायत समिति सुजानगढ़ (चूरू) में नियम 181 के तहत निम्नलिखित कार्य हेतु राजस्थान पंचायत राज नियम 1996 के नियम 181 के तहत राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ए बी व सी तथा डी, ई श्रेणी के संवेदकों से ई टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है, जो निम्न है-

| क्र.सं. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत राशि प्रति कार्य (लाखों में) | धरोहर राशि | निविदा शुल्क एवं प्रोसेसिंग शुल्क | ऑनलाईन निविदा / डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि | निविदा शुल्क प्रोसेसिंग शुल्क एवं बिड सेक्यूरिंग का स्टाम्प जमा कराने की अवधि | ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 | 07 | 08 |
| 1. | गंदे पानी की निकासी हेतु नाला निर्माण कार्य बजरंगलाल ग्राम झिंझा के घर व गुमानाराम मेघवाल के घर से आम गुवाड़ चैम्बर तक, मगरासर | 999225रू. | 20000 रू. | 500 रूपये प्रशासक ग्राम पंचायत मगरासर एवं 500 रूपये (MD RISL JAIPUR) | 19-03-2025 को सायं 5.00 बजे से 25-03-2025 को सायं 06.00 बजे तक | 26-03-2025 को 11.00 बजे तक | 26-03-2025 को 12.00 बजे |
| 2. | कब्रिस्तान की चारदीवारी निर्माण कार्य ग्राम मगरासर | 999100रू. | 20000 रू. | 500 रूपये प्रशासक ग्राम पंचायत मगरासर एवं 500 रूपये (MD RISL JAIPUR) | 19-03-2025 को सायं 5.00 बजे से 25-03-2025 को सायं 06.00 बजे तक | 26-03-2025 को 11.00 बजे तक | 26-03-2025 को 12.00 बजे |

इसकी विस्तृत जानकारी एंव शर्ते https://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

**ग्राम विकास अधिकारी**
**ग्राम पंचायत मगरासर**

## धीरा बाबा रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

### होडू विजेता,चौहटन उपविजेता

जयपुर टाइम्स

**रावतसर(निसं.)** ग्राम पंचायत होडू में चल रही सात दिवसीय धीरा बाबा रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन गुरुवार देर रात को हुआ। आयोजन सचिव जीवराज सेंवर ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 37 टीमों ने भाग लिया। जिसमें धीरा बाबा क्रिकेट क्लब होडू विजेता और चौहटन टीम उपविजेता रही। समापन समारोह के मुख्य अतिथि बाड़मेर जिला प्रमुख महेंद्र चौधरी,अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव लक्ष्मणसिंह गोदारा ने की। इस मौके पर विजेता टीम को इक्तालीस हजार रुपए और उपविजेता टीम को इक्कीस हजार रुपए नकद देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर सरपंच आईदानाराम सेंवर,पीईईओ भवेनदर गोयल, देवाराम सेंवर, एडवोकेट बीजाराम गोदारा, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि गेनाराम मेघवाल,पोकराराम साईं,राऊराम सेंवर, ईश्वरसिंह खारी, पूर्व सरपंच रामचन्द्र,पवन सेंवर,पीईईओ जोगाराम,हरलाल सेंवर, पीराराम सियाग,सहित ग्रामीण, खिलाड़ी मौजूद रहे।

## पाइलोनिडल साइनस की सफल प्लास्टिक सर्जरी

जयपुर टाइम्स

**लक्ष्मणगढ़(निस)।** जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में डॉ. सुनिल सर्राफ, कनिष्ठ विशेषज्ञ, सर्जरी की अगुवाई में पाइलोनिडल साइनस की सफल सर्जरी की गई। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. अटल भास्कर ने बताया कि 26 वर्षीय, खुशी (बदला हुआ नाम), निवासी जयपुर पिछले काफी समय से पाइलोनिडल साइनस से परेशान थी। परिजनो ने जिला चिकित्सालय में सर्जरी ओपीडी में मरीज को दिखाया। सर्जन डॉ. सुनील सर्राफ की ओर से जांच कर मरीज को ऑपरेशन की सलाह दी गई। अमूमन ऐसे सर्जरी में चीरा लगाकर मरीज की 2-3 महीने तक पट्टी करवानी पड़ती है, परंतु इस केस में मरीज के घाव को पास से चमड़ी से ढककर टांके लगाकर बंद कर दिया गया जिससे मरीज को जल्द राहत मिलेगी। मरीज का आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत निःशुल्क ऑपरेशन किया गया। सर्जरी टीम में डॉ. सुनिल सर्राफ कनिष्ठ विशेषज्ञ सर्जरी के साथ निश्चेतन विशेषज्ञ डॉ सत्यपाल ढाका, डॉ. झाबरमल जाट, ओटी इंचार्ज मनोज कुमार, नर्सिंग अधिकारी इमरता देवी मौजूद रहे।

## जिला कलेक्टर ने किया एनआईसी के नवीनीकृत कार्यालय का उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में एनआईसी यानि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के नवीनीकृत कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी कमलेश सैनी ने बताया कि कार्यालय का आधुनिक सुविधाओं युक्त नवीनीकरण करवाया गया है। इस मौके पर झुंझुनूं एसडीएम हवाई सिंह यादव, एडीआईओ पूनम महला, जितेंद्र लांबा समेत विभिन्न अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** कस्बे के वार्ड न0 14 में शुक्रवार को भाजपा नेता अयूब खत्री की ओर से रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हाजी अयूबअमीन खत्री, कयूम मोम, अयुब खत्री, अब्दूल रसीद खत्री, फैजान खत्री, सोयब मोम, उमर खत्री, सफीक खत्री, अल्ताफ खत्री, आवेश खत्री, साबिर धोबी सलामुदीन रंगरेज, अब्दुला खत्री सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

## पंचायत समिति की साधारण सभा 24 को

जयपुर टाइम्स

**मंडावा(निस)।** पंचायत समिति मंडावा की साधारण सभा बैठक 24 मार्च को पंचायत सभागार में आयोजित की जाएगी। पंचायत समिति विकास अधिकारी लक्ष्मीनारायण मीणा ने बताया कि पंचायत समिति प्रधान शारदा देवी देवठीया की अध्यक्षता में प्रात 11 बजे पंचायत समिति सभागार में होगी। बैठक में पुर्व बैठक कार्यवाही का अनुमोदन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 4 के लिए डीआरआरपी कंडीडेट रोड व सीएनसीपीएल के प्रस्तावो का अनुमोदन सहित अन्य विषयो पर चर्चा की जाएगी।

# रोजगार सहायता शिविर आयोजितः नियुक्ति पत्र पाकर झूमें युवा

### दो हजार युवाओं की रही भागीदारी, 424 युवाओं का हुआ प्रथमिक चयन

जयपुर टाइम्स

**बीकानेर(निसं.)** जिला प्रशासन के तत्वावधान में उपक्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, बीकानेर द्वारा शुक्रवार को स्थानीय राजकीय एम.एम. ग्राउंड में एक रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान 424 युवाओं का रोजगार हेतु प्राथमिक चयन किया गया जिसमें से 15 युवाओं को मौके पर ही बारह हजार रुपए प्रतिमाह से लेकर साढे तीन लाख रुपए प्रतिवर्ष पैकेज तक के ऑफर लेटर दिए गए। शिविर में निजी क्षेत्र के 23 नियोक्ताओ ने भाग लिया। वहीं राज्य सरकार के 10 विभिन्न विभागों द्वारा 234 आशार्थियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में 231 युवाओं को प्रशिक्षण योजनाओं तथा 16 युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित किया गया। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के उप निदेशक हरगोबिंद मित्तल ने बताया कि शिविर में लगभग दो हजार लोगों की भागीदारी रही जिनमें से 671 बेरोजगार आशार्थी रोजगार, स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण योजनाओं से लाभान्वित हुए । मौके पर ही नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं के चेहरे खिल गए। शिविर के दौरान पहली बार एयरफोर्स की स्टॉल लगाई गई। ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी इस दौरान की गई। शिविर में भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक नीरज कुमार, श्रीमती सुमन छाजेड़, महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना, नाबार्ड के डीडीएम राजेश तांबी, रोजगार अधिकारी चौधरी दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सभी अतिथियों द्वारा युवाओ को ऑफर लेटर दिए गए। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 3 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री पालनहार और 2 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के स्वीकृति पत्र दिए गए। वहीं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत चेक वितरित किए गए तथा बेटी जन्मोत्सव मनाया गया। साथ ही बेटी किट का वितरण किया गया।झ्र आरएसएलडीसी द्वारा कौशल आधारित विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए 70 युवाओं का चयन किया गया। जनसंपर्क विभाग द्वारा योजनाओं और उपलब्धियों आधारित साहित्य का वितरण किया गया। शिविर के दौरान बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से युवाओ को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक युवा को रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर मिले। सरकार द्वारा युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। वहीं निजी क्षेत्र के लिए ऐसे शिविर और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा इनका अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

## महिलाओं ने लगाया ठंडे व्यंजनों का भोग, बच्चों को लगवाई ढोक

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** मण्डावा क्षेत्र में महिलाएं सुबह-सुबह 'सीली शीतला ओ माय, सरवर पूजती घर आए' जैसे भजन गाते हुए मंदिरों में पहुंचीं। चैत्र कृष्ण पक्ष की सप्तमी व अष्टमी को शीतला माता का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कस्बे के वार्ड न नौ स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई जगहों पर महिलाओं को पूजा के लिए अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। महिलाओं ने पुए-पकोड़ी, पूड़ी, पापड़ी, हलुआ, राबड़ी, मक्का की घाट, मोहनथाल, गुंजिया, पेठे और सकरपारे जैसे ठंडे व्यंजनों का भोग लगाया। परंपरा के अनुसार इस दिन घरों में भोजन नहीं बनाया जाता। सभी लोगों ने ठंडा भोजन किया। मन्दिर के व्यवस्थापक मनजी सुनार ने यह जानकारी दी। पार्षद सपना शर्मा के अनुसार शीतला माता की पूजा से दाह ज्वर, पीत ज्वर, फोड़े और नेत्र रोग जैसी बीमारियों से बचाव होता है। उन्होंने बताया कि चेचक की बीमारी के बाद बच्चों को मंदिर में ढोक लगवाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। चन्दा शर्मा ने बताया कि सनातन धर्म में माता शीतला को सभी मनोकामनाएं पूरी करने वाली देवी माना जाता है चन्दा शर्मा के अनुसार मां शीतला को ठंडक प्रदान करने वाली देवी कहा गया है। उन्होंने कहा कि इनकी उपासना से आरोग्य का वरदान मिलता है। इसी प्रकार वार्ड न0 22 स्थित शीतला मन्दिर में परंपरा के अनुसार, शीतला अष्टमी पर लोगों ने घरों में ठंडा भोजन बनाकर माता को अर्पित किया। श्रद्धालुओं ने अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

## मूक पक्षियों के लिए परिंदा लगाना पुण्य का कामः मिश्रा

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** मूक पक्षियों के लिए अपने घर, छत,आंगन बरामदो, आसपास के बगीचों, पार्कों में पानी के बर्तन भर कर रखना चाहिए। ऐसे विचार पूर्व पालिका अध्यक्ष सज्जनलाल मिश्रा ने कामधेनु निराश्रित गौ सेवा समिति की ओर से विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर गौरैया बचाओ अभियान के अंतर्गत के व्यक्त किए। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी ने कहा कि गर्मी के मौसम में हमें इन बेजुबानों के लिए पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। हम देख रहे हैं कि अनेक कारणों से छोटी-छोटी जो चिडियाएं हैं उनकी प्रजाति धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। हमें इनको बचाने के लिए अपने घर आसपास के क्षेत्र में पानी के बर्तन व दाना उनके डालने की व्यवस्था करनी चाहिए, ऐसा करने से इनका जीवन बचेगा। आज विश्व गौरैया दिवस मनाया जा रहा है, हम सभी को इनको बचाने के लिए संकल्प लेकर पानी के परिंदे दाने आदि की व्यवस्था करनी होगी तभी इनका जीवन बचाया जा सकता है। इस अवसर पर समिति की ओर से एक दर्जन पानी के परिण्डा व मिट्टी के घोसलें लगाए गए। कार्यक्रम में इस अवसर पर समिति अध्यक्ष रविंद्र शर्मा, नरेंद्र सुरोलिया, किशोर चौहान, प्रकाश स्वामी, मधुसूदन स्वामी, राकेश स्वामी अमन जोशी बाबूलाल नाई, राकेश ठेकेदार सहित कई लोग मौजूद रहें।

## फार्मर्स रजिस्ट्री प्रोजेक्टः चतुर्थ सप्ताह आयोजित होंगे विभिन्न शिविर

जयपुर टाइम्स

**बीकानेर(निस)।** फार्मर्स रजिस्ट्री प्रोजेक्ट के तहत मार्च के चतुर्थ सप्ताह में विभिन्न ग्राम पंचायतों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्ट्रेट कि प्रभारी अधिकारी (भू अभिलेख) कविता गोदारा ने बताया कि जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि के निर्देशानुसार बीकानेर तहसील के खारड़ा, तेजरासर, किलचू देवड़ान और केसरदेसर जाटान में 24 से 26 मार्च तक तथा पलाना, बेलासर, हुसंगसर, बदरासर, मेघासर और रामसर में 27 से 29 मार्च तक शिविर होंगे। नोखा तहसील के रायसर, रासीसर पुरोहितान, चरकड़ा धरनोक, केड़ली, भामटसर, अणखीसर में 24 से 26 मार्च तक और जेडी मगरा, रोड़ा, रासीसर, पारवा, कंवलीसर, पांचू और बन्धाला में 27 से 29 मार्च तक शिविर होंगे। उन्होंने बताया कि पूगल के शिवनगर और रामड़ा में 24 से 26 मार्च और डेली तलाई व पहलवान का बेरा में 27 से 29 मार्च तक शिविर होंगे। श्रीडूंगरगढ़ के इंदपालसर, गुसाईसर, कुनपालसर, टेऊ, सोनियासर शिवदान सिंह, सत्तासर, बापेऊ और बींझासर में 24 से 26 मार्च और कुंतासर, देराजसर, कल्याणसर नया, बिग्गा बास रामसरा, लिखमीसर दिखणादा, सावंतसर, बेनीसर और श्रीडूंगरगढ़ में 27 से 29 मार्च तक शिविर होंगे। उन्होंने बताया कि लूणकरणसर, कोलायत और छत्तरगढ़ तहसीलों में पूर्व में आयोजित ग्राम पंचायतों में फॉलो अप शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिससे शत प्रतिशत किसानों का पंजीकरण करवाया जा सके।

## स्नेह मिलन समारोह समरसता और समानता का प्रतीक हैः दूकिया

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल दूकिया ने कहा है कि होली का त्यौहार भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है जो खुशी, आनन्द, प्रेम और एकता का प्रतीक है। त्यौंहारों को पूरे उत्साह के साथ मनाना चाहिए और सामाजिक बन्धनों को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर मानना चाहिए। दूकिया शुक्रवार को फतेहपुर बस स्टैण्ड स्थित किसान भवन में आयोजित स्नेह मिलन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि त्यौहार के दिन हमें बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के बीच विभिन्न गतिविधियों, नृत्य, संगीत, खाने-पीने और खुशी के साझा लाभ को अनुभव करना चाहिए। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि त्यौहार एक आपसी समझ, समरसता और समानता का प्रतीक होना चाहिए। हमें बच्चों को इस महत्वपूर्ण पर्व के तत्वों के साथ परिचित करना चाहिए और उन्हें शिक्षा देनी चाहिए कि सभी पर्व को सम्पूर्ण आनंद और संतुष्टि के साथ मनाएं और दूसरों के साथ प्यार और सम्मान का आदान-प्रदान करें। शीतला अष्टमी, गणगौर तथा होली हमारे साथी और पवित्र परंपराओं को जीवित रखने का एक महत्वपूर्ण तरीका है और हमें इसे समर्थन करना चाहिए और इसका आनंद लेना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रायोजक चेन्नई प्रवासी उद्यमी व भामाशाह रमेश गाडोदिया ने की। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला मंत्री संदीप शर्मा, मण्डल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, पूर्व पार्षद कैलाश पीपलवा, आलोक शर्मा उर्फ बबलू, हिम्मतसिंह शेखावत, एसपी लाहोरा, संजय परिहार, बबलू मेघवाल, चींटू सेन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

## सरकारी योजनाओं ने सीता को दिया संबल

जयपुर टाइम्स

**बीकानेर(निसं.)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पर मुख्यमंत्री निःशुल्क स्कूटी वितरण योजना के तहत प्रदेश भर के दिव्यांग भाई-बहनों को अध्ययन अथवा कार्य क्षेत्र तक पहुंचने के लिए गत वित्तीय वर्ष में 2000 स्कूटियां उपलब्ध करवाई गई। इसके तहत बीकानेर जिले में भी 48 दिव्यांग जनों को यह स्कूटियां प्रदान की गई। यह पहल युवाओं को संबल देने वाली और उनके जीवन को आगे बढ़ने की राह दिखाने वाली है। ऐसी ही एक लाभार्थी सीता जनागल यह सब बताते भावुक हो गई। दरअसल एक सड़क दुर्घटना ने सीता के जीवन में भूचाल ला दिया। इस घटना के कारण उसका एक पैर काटना पड़ा और मानो उसका जीवन ठहर सा गया। धीरे-धीरे स्थितियां कुछ सामान्य हुई और उसकी शादी होने के बाद दो बच्चे हुए। उसके पति भी मजदूरी करके अपना पेट भरते हैं। ऐसे में सीता के कुछ कर गुजरने की ठानी। इसने अच्छी शिक्षा ग्रहण की और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। कोचिंग क्लासेज तक उसका आना जाना आसान हो इसके मद्देनजर सरकार ने उसे निःशुल्क स्कूटी दी। मुख्यमंत्री पालनहार योजना के तहत इसके दो बच्चों की पढ़ाई आसान हुई है वहीं मुख्यमंत्री दिव्यांग सम्मान पेंशन योजना से उसे संबल मिला है। वह सभी सहयोग के लिए राज्य सरकार का आभार जताती है। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पवार ने योजना की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की संवेदनशील सोच और मंशा के अनुरूप दिव्यांग भाई बहिनों को निःशुल्क स्कूटी प्रदान की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी भी नियमित रूप से सांझा की जा रही है

## गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का गणिनी आर्यिका सत्यमति माताजी से हुआ वात्सल्य मिलन

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ का बूंदी से मंगल विहार हुआ और तालेड़ा में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आदिनाथ जिनालय के दर्शन करते हुए संघ पार्श्वनाथ मंदिर में पहुंचा जहां गणिनी आर्यिका सत्यमति माताजी से मिलन हुआ। द्वय संघों का मिलन देखकर उपस्थित जनसमूह जय - जयकार करने लगा। पूज्य माताजी ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर एकता का संदेश देते हुए कहा कि - जब आप लोगों का अपनों से मिलन होता है तो इतनी खुशी नहीं होती होगी जितनी खुशी आज हम संतों को आपस में मिलकर हुई है। हम सब अलग अलग स्थानों से आये पहले शायद कभी मिलें भी नहीं तब भी हममें कोई वैर - भाव नहीं है और आप सगे भाई - भाई एक साथ एक छत के नीचे नहीं रह पा रहे। अरे बंधुओं आपको मैं यही कहूंगी हर व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और देश का उत्थान जब ही संभव है जब सब एकता के सूत्र में बंध जायेंगे। भाई - भाई एक हो हर रिश्ता विश्वास और मजबूती का हो । देश के नेताओं से कहूंगी शासन की गद्दी पर बैठकर ईमानदार दिखाओ ना कि किसी गरीब की मेहनत से अपनी जेब भरों । पूज्य माताजी ससंघ के श्री चरणों में रिद्धि सिद्धि कालोनी कोटा में प्रवास हेतु राजू गोधा टीकमचंद जैन सहित समाज ने श्रीफल चढ़ाया । तालेड़ा से संघ का मंगल विहार हुआ। 22 मार्च को माताजी ससंघ का रिद्धि सिद्धि कोटा में भव्य मंगल प्रवेश होगा।

## वाणी से बोले हुए को मिटा नहीं सकते

**सालासर(निस)।** गाँव गुडावड़ी में चल रही श्रीमद भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचक बुद्धगिरी मढ़ी के महंत दिनेशगिरी महाराज ने कहा कि आज के समय मंदिर जाकर उसकी पूजा तो कर लेते है लेकिन भगवान के बताए हुए मार्ग पर हम नहीं चलते है। तो फिर पूजा करने का क्या फायदा। सनातन शास्त्र को ब्रह्म की संज्ञा दी गई है। दीवार पर कुछ लिखा हुआ मिटा सकते है लेकिन वाणी से कुछ बोल दिया उसे मिटा नहीं सकते। इस धरती पर अनेक देश है लेकिन भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहाँ पर इसे माँ का दर्जा दिया गया है। क़ानून तो कश्मीर में भी था, बांग्लादेश में भी था इसलिए केवल क़ानून पर निर्भर मत रहो सभी हिन्दू एक होकर आगे बढे। हमारे देश में ही हमें सुनने को मिल रहा है कि भगवान राम तो काल्पनिक है, इससे बड़ी दुख की बात क्या हो सकती है। हमारे ही देश में छत्रपति शिवाजी महाराज व झाँसी की रानी सहित सैकड़ो ऐसे महापुरुष हुए जिसे कोई खरीद नहीं सकता

## राजस्व कॉलोनी के पार्क में लगाई जा रही घटिया निर्माण सामग्री

जयपुर टाइम्स

**तारानगर(निस)।** कस्बे में सरदारशहर सड़क पर स्थित राजस्व कॉलोनी के पार्क का निर्माण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। निर्माण कार्य में घटिया किस्म की सामग्री उपयोग में ली जा रही है। वर्क ऑडर में एक नंबर ईंटे ली गई जबकि निर्माण कार्य में घटिया किस्म की 2 नंबर ईंटे लगाई जा रही है और मसाला भी घटिया किस्म का उपयोग लिया जा रहा है। पार्क में लगे पौधों को बचाने के लिए गमले बनाए गए थे, ठेकेदार के लोगों ने वो ईंटे भी नहीं छोड़ी, निर्माण कार्य में उपयोग में ले रहे है। भाजपा युवा नेता राकेश टाक ने ठेकेदार पर आरोप लगाया है कि पार्क के चारों तरफ दीवार बन रही है जिसमें ठेकेदार जमकर भ्रष्टाचार कर रहा है सबसे घटिया किस्म की सामग्री उपयोग में ले रहा है। ज़ब अधिशाषी अधिकारी अजय प्रतापसिह को उक्त मामला संज्ञान में आया तो अजय प्रताप सिँह ने मौके पर जाकर उक्त निर्माण कार्य को बंद करवा दिया। अब निर्माण कार्य की जांच करवायी जाएगी उसके बाद ही काम शुरू करवाया जाएगा।

## हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई शीतला माता के दरबार में धोक

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** शीतला अष्टमी का पर्व शहर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घर-घर में माता शीतला की पूजा अर्चना की गई और बासी व्यंजनों का भोग लगाया गया। स्थानीय नाथोतालाब स्थित शीतला माता मंदिर में मेला भरा, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने माता शीतला के दरबार में धोक लगाकर बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। पुजारी गोपाल कृष्ण जोशी ने बताया कि अलसुबह चार बजे से ही माता का मेला शुरू हो गया और श्रद्धालुओं की लंबी लाईनें लग गई। मेला दोपहर तक चला। वहीं राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र कीलक ने सपरिवार शीतला माता मंदिर पहुंचकर माता के दरबार में धोक लगाई। मेले की व्यवस्थाओं में किशोर भार्गव, बंकट, मांगीलाल, मनोज कुमार व भार्गव परिवार के लोगों ने सहयोग किया। वहीं सीआई बैगाराम मीणा के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता भी मेले के दौरान एहतियात के तौर पर मौजूद रहा। मेले के दौरान अस्थाई दुकानें भी सजी।

## पंचायत समिति की साधारण सभा 24 को

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** पंचायत समिति की साधारण सभा का आयोजन 24 मार्च को किया जाएगा। पंचायत समिति की प्रधान मनभरी देवी मेघवाल की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना - चतुर्थ के लिए डीआरपी, केंडीडेट रोड़, न्यू कनेक्टिविटी प्राथमिकता प्रस्तावों आदि पर चर्चा की जाएगी। इसी प्रकार विभिन्न विभागों से सम्बंधित जन समस्याओं पर भी बैठक में चर्चा जाएगी। बैठक में ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व ग्रामीण जनप्रतिनिधि भाग लेंगे।

## भामा बने मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार महासभा के जिलाध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप कड़ेल ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए सरदारशहर के मुकेश भामा को स्वर्णकार महासभा का चूरू जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर मुकेश भामा ने प्रदेश अध्यक्ष और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सभी शुभचिंतकों ने मुकेश भामा को बधाइयां देकर शिर्ष नेतृत्व का आभार जताया है।

## युवा दल ने किया उप जिला अस्पताल औचक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

**तारानगर(निस)।** तारानगर के युवादल के सरंक्षक मुकेश फगेड़िया व उनकी टीम की ओर से शुक्रवार को कस्बे के उपजिला का अस्पताल काऔचक निरीक्षण किया गया। युवादल के सरंक्षक फगेड़िया ने बताया कि युवा दल टीम की ओर से राज्य सरकार की ओर से दी गई सुविधाओं व साफ सफाई का जायजा लिया गया। इस दौरान युवादल की टीम के साथ प्रत्येक वार्डों में लेब प्रभारी राजेंद्र सोनी, एक्स-रे प्रभारी बनवारी सिहाग, नर्सिंग ऑफिसर अरविंद जांगिड़ और सफाई कर्मचारी मौजूद रहे। शानदार व्यवस्था को देखकर युवा दल ने अस्पताल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

# अमर सुहाग की कामना को लेकर गणगौर पूजन में जुटी नवविवाहिताएं

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर के वार्ड 16 में गीत-संगीत के माहौल में 18 दिवसीय ईसर-गणगौर पूजन का विशेष उत्साह देखने को मिल रहा हैं। आमतौर पर इस त्यौहार को 16 दिन का माना जाता है। लेकिन इस बार यह त्यौहार 18 दिन का मनाया जा रहा है। शादी के जोड़े एवं परम्परागत परिधानों में 16 श्रृंगार किए हुए गणगौर पूजने वाली नवविवाहिताएं, युवतियां और महिलाएं गणगौर महोत्सव को बड़ी धूमधाम के साथ मना रही है। शहर के वार्ड 16 में हिमानी चौधरी, प्रीति जांगिड़, विनीत शर्मा शादी के बाद अपने पीहर में गणगौर का पूजन कर रही है। इस अवसर पर गणगौर पूजन कर रही नवविवाहिता हिमानी चौधरी बताया कि शीतलाष्टमी से ही नवविवाहिताओं ने मिट्टी की गणगौर बनाकर पूजन प्रारंम्भ कर दिया है। शुक्रवार को गणगौर के दूसरे चरण के तहत नवविवाहिताएं और युवतियां लोक गीत गाते हुए माली की बाड़ी में पहुंची और वहां पर गणगौर बनाकर अपने घर लेकर आई है। अब से प्रतिदिन गणगौर पूजन के बाद 31 मार्च की शाम इन्हें जल में विसर्जित कर दिया जाएगा। गणगौर को पार्वती और ईसर को शिवजी का प्रतीक मानकर यह पूजन किया जाता है। अब घर घर जाकर गणगौर की बिंदोरी निकाली जाएगी और घरों में लोकगीत गाए जाएंगे हैं। वहीं रात्रि के समय गणगौर पूजने वाली नव विवाहिताएं युवतियां और महिलाएं मिलकर नृत्य कार्यक्रम आयोजित कर गणगौर महोत्सव का आनंद लेगी। नवविवाहिता हिमानी चौधरी का कहना है कि ईसर गणगौर की पूजा शादी के बाद से की जाती है। मेरी पहली गणगौर है और होली दहन के बाद से ही 16 दिवसीय ईसर-गणगौर की पूजा अर्चना कर रही हूं। शादीशुदा महिला के लिए यह सौभाग्य है। गणगौर पूजन करने वाली आरजू राव ने बताया कि प्राचीन काल से ही ईसर-गणगौर पूजा में श्रृंगार का विशेष स्थान माना गया है। इसलिए ईसर-गणगौर की पूजा करने से पूर्व महिलाएं सोलह श्रृंगार करती है। ईसर गणगौर पूजा महिलाओं के लिए अखंड सौभाग्य की कामना का पर्व है। 18 दिवस तक महिलाएं ईसर व गणगौर को शिव-पार्वती मानकर परम्परागत तरीके से पूजा अर्चना करती है। इस अवसर पर चुंदड़ी रो सर्व सुहाग, आज सवेरे उठास्या म्हे तो, बाड़ी वाला बाड़ी खोल बाड़ी की किवाड़ी खोल छोरियां आई दूब लेण, हां जी म्हारी गौरा बाईने चुंदड़ी रो चाव, ऊंचो चंवरो चौकूंटो जल जमुना रो नीर मंगायो जी, म्हारी गौर तीसाई ओ राज, धूपियो देर धूपाइयो, उदियापुर स्यूं आई गणगौर आदि गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर हिमानी चौधरी, विनीत शर्मा, प्रीति जांगिड़, नीलम जांगिड़, पूनम राजपूत, ममता प्रजापत, मीनू राजपूत, खुशबू प्रजापत, संतोष राजपूत, सुहानी चौधरी, पूजा जांगिड़, कामना जांगिड़, विशाखा, नंदिनी, पिंटू जांगिड़, सवेरा शर्मा, रितु शर्मा, पूजा शर्मा सहित बड़ी संख्या में युवतियां और महिलाएं गणगौर पूजन का लुफ्त उठा रहा हैं।

## बेसहारा महिलाओं के लिए सहारा बनेगा आश्रम

### कानी देवी सेवा सदन में 30 महिलाओं को मिलेगी मुफ्त रहने-खाने की सुविधा

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर में बेसहारा और मंदबुद्धि महिलाओं के लिए कल्याणपुरा फांटा बीकानेर रोड पर नया आश्रम शुरू किया गया है। प्यारी बहना मूर्तिकोर मंदबुद्धि महिला अनाथ आश्रम नोहर के तत्वावधान में कानी देवी सेवा सदन की स्थापना की गई है। समाजसेवी मोहनलाल धेतरवाल ने इस नेक कार्य के लिए अपनी बिल्डिंग दान की है। आश्रम में 30 महिलाओं के रहने की व्यवस्था की गई है। यहां रहने और खाने की सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध होंगी। धेतरवाल ने बताया कि पिछले कई वर्षों से नोहर स्थित प्यारी बहना मूर्तिको मंदबुद्धि महिला आश्रम से जुड़े हुए हैं। सरदारशहर उपखंड में कई महिलाएं सड़कों पर रात बिताने को मजबूर हैं। इन महिलाओं की मदद के लिए यह पहल की गई है। आश्रम की स्थापना में कई भामाशाहों ने सहयोग किया है। भामाशाह बृजमोहन सर्राफ ने एक लाख रुपये, ओम प्रकाश शर्मा और सचिन रीको ने 51 हजार रुपये का योगदान दिया। लालचंद मूंड, श्रवणराम पारीक, लालचंद पूनियां और राजूराम पूनियां ने 11-11 हजार रुपये देकर सहयोग किया है। भविष्य में भामाशाहों के सहयोग से एक स्थाई भवन का निर्माण भी कराया जाएगा। आश्रम में मंदबुद्धि और अनाथ महिलाओं की पूरी देखभाल की व्यवस्था की जाएगी। यह पहल समाज के वंचित वर्ग की महिलाओं को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर भगवानाराम कड़वासरा, हनुमानमल सुथार, मनोज मित्तल, श्यामलाल शर्मा, पिथाराम जालबसर, कानसिंह, गिरधारी सिंह, शकर लाल जाखड़, ओमप्रकाश सुथार, दिलीप शरण, भगवानराम झोरड़, तोलाराम सारण, रामपाल चौधरी, कालूराम, सांवरमल जाखड़, मनोज प्रजापत, शंकरलाल कड़वासरा, भंवरलाल प्रजापत, भंवरलाल भांभू, मूलाराम प्रजापत, आनंद सोनी, परमेश्वरलाल शर्मा, पवन रणवां, मगाराम कुल्हारी आदि भामशाहों ने दिल खोलकर सहयोग किया हैं।

## शीतलाष्टमी पर माता को ठंडा भोग लगाकर मांगी मन्नत

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** तारानगर रोड़ स्थित शीतला माता मंदिर में शीतलाष्टमी पर शुक्रवार को भव्य मेले का आयोजन किया गया। शुक्रवार सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं ने माता के घर में बनाए गए चावल, राबड़ी, दही, बाजरे की रोटी और गुलगुलों का भोग लगाया। सभी ने परिवार में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। शीतला माता आयोजन समिति के श्रवण कुमार ने बताया कि रात दो बजे से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने गुड़, चावल और बासिड़े का प्रसाद चढ़ाया। मेले में महिलाओं और बच्चों की काफी भीड़ देखी गई। मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था। महिलाओं ने विशेष पूजा-पाठ किया। मेले में सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की महिला कांस्टेबल तैनात की गई।

## राजस्व रेंडम प्रणाली से क्रॉप कटिंग करने की मांग, ज्ञापन सौंपा

जयपुर टाइम्स

**तारानगर(निस)।** एसएसटी पोईन्ट से फसल की क्रोप कटिंग के बजाय राजस्व रेण्डम प्रणाली से करने की मांग को लेकर तारानगर के किसानों ने शुक्रवार को जाट महासभा के तहसील अध्यक्ष हरिसिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार को ज्ञापन दिया। किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया है कि तारानगर तहसील के सभी किसानो ने अपनी भूमी को बीमित करा रखा है। पूरी तहसील में फसल नष्ट हो चूकी है। बीमा कम्पनी किसनों को मुआवजा नही देना चाहती है। इसलिए अपने ऑफिस में बैठकर अच्छी फसल वाले खसरों का चयन कर एसएसटी प्रणाली की ओर से कर रही है जो किसानों के साथ अन्याय है बीमा कम्पनी की नियत अच्छी नही है। पूरी तहसील के किसानों में इस बात को लेकर रोष है किसानों ने मांग की है कि फसल की क्रोप कटिंग राजस्व रेण्डम प्रणाली से हल्का पटवारी बीमा कम्पनी का प्रतिनिधि व गिरदावर और किसानों के प्रतिनिधियों को साथ लेकर की जाए, फसल की क्रोप कटिंग राजस्व रेण्डम प्रणाली से वास्तविक मूल्यांकन किया जाए। किसानों ने चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि अगर कम्पनी की ओर से एसएसटी पोईन्ट से मूल्यांकन किया जाता है तो किसान कम्पनी के कर्मचारियों को अपने खेतों में नही घुसने नही दिया जाएगा, किसानों को मजबूर होकर एक बड़ा आन्दोलन करना पड़ेगा। इस मौके पर शीशपाल धींधवाल, भोजराज महला, मनोज कस्वां, रामजीलाल कुलड़िया, महासिँह कस्वां, जीताराम जांदू, रामस्वरूप झाझडिया कैप्टन मदन कालेर, रामकुमार पांडर, शिवपाल फगेड़िया, रामकिशन, उदमीराम सहित कई लोग उपस्थित रहे।

## धार्मिक उन्माद फैलाकर देश का माहौल न बिगाड़े: न्यौल

**चूरू(निस)।** अखिल राजस्थान किसान मजदूर कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष प्रदेश के वरिष्ठ किसान नेता आदूराम न्यौल ने कहा कि देश में धार्मिक उन्माद फैलाकर गंगा जमुनी तहजीब को मत बिगाड़े। किसान नेता न्यौल ने कहा कि भाजपा भड़काऊ व विवादित बयान देकर देश में सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ रहा है। देश में कानून व्यवस्था चौपट, अपराधी बेलगाम, ढुलमुल प्रशासनिक व्यवस्था से देश में मंदिर, मस्जिद, शमशान, कब्रिस्तान के नाम पर जगह-जगह सांप्रदायिक दंगे हो रहे है। इन सबसे देश को बांटने का काम किया जा रहा है। न्यौल ने कहा कि देश में 145 करोड लोगों में हिंदू मुस्लिम सिख इसाई है, सब भाई-भाई के नारे गुंजायमान होने चाहिए। विशाल भारत धर्मनिरपेक्षता की पटरी पर चल रहा है। सांप्रदायिक ताकत देश का माहौल बिगाड़ रही है इस पर कठोर लगाम लगाने की आवश्यकता है। किसान नेता न्यौल ने राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित कर आग्रह किया है कि वह सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसने के प्रभावी निर्देश जारी कर देश में अमन चैन शांति व सांप्रदायिक सौहार्द कायम करने की व्यवस्था कराए। इस अवसर पर भगवानाराम जाट, ओम प्रकाश गर्ग, फूलचंद न्यौल, श्यामलाल नागवान, ओमप्रकाश जांगिड़, हीरालाल न्यौल, लिछमण मेघवाल, हरिराम न्यौल सहित सभी कार्यकर्ताओं ने सांप्रदायिक सौहार्द कायम रखने की अपील की है।

## विश्व उपभोक्ता दिवस पर उपभोक्ता संरक्षण समिति की बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** वीसी सभागार में उपभोक्ता जागरूकता सप्ताह के तहत विश्व उपभोक्ता दिवस पर उपभोक्ता संरक्षण समिति की बैठक व कंज्यूमर केयर कैम्प का आयोजन शुक्रवार को किया गया। इस वर्ष की थीम टिकाऊ जीवन शैली की ओर एक उचित बदलाव पर आगंतुक अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान मानवाधिकार व उपभोक्ता संरक्षण समिति के महामंत्री धन्नाराम सैनी ने वस्तुओं को खरीदते समय मात्रा, उत्पादन, अवधि, समापन की तिथि, कीमत, निर्माता का नाम की जांच करके ही खरीदने आदि अनेक जानकारी साझा की। जिला रसद अधिकारी महिपाल सिंह राठौड़ ने विश्व उपभोक्ता दिवस की थीम पर उभोक्ताओं को अपने अधिकारों के बारे में जानकारी दी। प्रवर्तन अधिकारी अंशु तिवाड़ी ने उपभोक्ताओं को ऑनलाईन परिवाद दर्ज करने वाले एप व टॉल फ्री नम्बर व हैल्पलाईन नंबर की जानकारी दी। एडवोकेट राजेन्द्र सिंह ने उपभोक्ताओं को अपील की अवधि व उनके कर्तव्यों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उपभोक्ता संरक्षण समिति के पदाधिकारी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

## शीतला अष्टमी मनाई

जयपुर टाइम्स

**राजलदेसर(निस)।** कस्बे में सुभाष चौक बस स्टेण्ड पर स्थित शीतला माता मंदिर में शीतला अष्टमी मनाई। श्रद्धालुओं ने बासी भोजन न ठण्डा जल चढ़ाया। सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में आने लगी जो दस बजे तक जारी थी। थानाधिकारी कमलेश कुमार ने भी पुलिसकर्मी लगवाए और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओ ने ठण्डा बासी भोजन चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की। साथ ही आथुणा कुआं के पास भी भी शीतला माता मंदिर पर भी महिलाओं की काफी भीड़ रही।

# शीतला अष्टमी पर शीतला माता मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** तहसील भर में शुक्रवार को श्रद्धा भाव के साथ शीतला माता की पूजा की जा रही है। शहर के ताल मैदान में स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर में बासेड़ा पर्व पर शीतला माता के विशाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें शहर व आसपास के गांवों के हजारों लोगों ने पहुंचकर शीतला माता की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। मेले के चलते अल सुबह से ही माता के दर्शन के लिए लोगों की लाइनें लग गईं। मेला बासेड़ा पर्व पर लगता है जिसमें एक दिन पहले रात को पूरे शहर व आसपास गांवों के लोग पकवान बनाते हैं। जिसके बाद सुबह इन पकवानों को लेकर शीतला माता के मंदिर में जाते हैं। जहां इन पकवानों का भोग लगाकर माता शीतला की पूजा कर अपने बच्चों की लंबी उम्र व परिवार में सुख समृद्धि कामना की जाती है। शहरवासी रात को बनाए पकवानों को सुबह माता के भोग लगाकर उनको सुबह तथा कई लोग दिन भर खाते हैं। इसलिए इस दिन को बासेड़ा पर्व भी कहते हैं। बासेड़ा पर शीतला माता के मेले में सुबह 3 बजे के बाद से ही भक्तों की लंबी-लंबी लाइनें लगनी शुरू हो जाती है। लोगों का एक से 2 घंटे में माता के दर्शनों के लिए नंबर आता है। वहीं मेला स्थल पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई। मेले को देखते हुए पुलिस की भी चाकचौबंद व्यवस्था की गई है। मेले में विभिन्न प्रकार के सामानों की दुकानें भी लगी। जिनमें खिलौने, कृषि उपकरण, घरेलू सामान और महिला श्रृंगार से संबंधित सामान प्रमुख हैं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। पुलिस के जवान मेले की सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाले हुए हैं। शीतला मंदिर कमेटी के कार्यकताओं ने शीतला माता के मंदिर आने वाले भक्तों के लिए ठंडे पेयजल व टेंट लगाकर छांव की व्यवस्था की। सुबह से शाम तक बड़ी संख्या में महिलाओं ने परिवार के साथ शीतला माता के धोक लगाकर माता को ठंडे पकवानों का भोग लगाकर मनौतियां मांगी।

## फार्मर्स रजिस्ट्री प्रोजेक्टः मार्च के चतुर्थ सप्ताह आयोजित होंगे विभिन्न शिविर

जयपुर टाइम्स

**बीकानेर(निसं.)** फार्मर्स रजिस्ट्री प्रोजेक्ट के तहत मार्च के चतुर्थ सप्ताह में विभिन्न ग्राम पंचायतों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्ट्रेट कि प्रभारी अधिकारी (भू अभिलेख) कविता गोदारा ने बताया कि जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि के निर्देशानुसार बीकानेर तहसील के खारड़ा, तेजरासर, किलचू देवड़ान और केसरदेसर जाटान में 24 से 26 मार्च तक तथा पलाना, बेलासर, हुसंगसर, बदरासर, मेघासर और रामसर में 27 से 29 मार्च तक शिविर होंगे। नोखा तहसील के रायसर, रासीसर पुरोहितान, चरकड़ा धरनोक, केड़ली, भामटसर, अणखीसर में 24 से 26 मार्च तक तथा जेडी मगरा, रोड़ा, रासीसर, पारवा, कंवलीसर, पांचू और बन्धाला में 27 से 29 मार्च तक शिविर होंगे। उन्होंने बताया कि पूगल के शिवनगर और रामड़ा में 24 से 26 मार्च तथा डेली तलाई व पहलवान का बेरा में 27 से 29 मार्च तक शिविर होंगे। श्रीडूंगरगढ़ के इंदपालसर, गुसाईसर, कुनपालसर, टेऊ, सोनियासर शिवदान सिंह, सत्तासर, बापेऊ और बींझासर में 24 से 26 मार्च तथा कुंतासर, देराजसर, कल्याणसर नया, बिग्गा बास रामसरा, लिखमीसर दिखणादा, सावंतसर, बेनीसर और श्रीडूंगरगढ़ में 27 से 29 मार्च तक शिविर होंगे। उन्होंने बताया कि लूणकरणसर, कोलायत और छत्तरगढ़ तहसीलों में पूर्व में आयोजित ग्राम पंचायतों में फॉलो अप शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिससे शत प्रतिशत किसानों का पंजीकरण करवाया जा सके।

## पुरानी रंजिश बनी जानलेवा पीड़ित ने प्रशासन से लगाई गुहार

### लेकिन कानूनी सहायता के बजाय मिला धोखा

जयपुर टाइम्स

**प्रतापगढ़(निसं.)।** मामला है आपसी रंजिश का जिसमें शहर के आदिनाथ विहार कॉलोनी का हर्षित पिता केशरीमल जैन का एक मामला 19/ 11 /2024 को पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ को अपने व अपने परिवार की जान व सहयोग व कानूनी कार्रवाई के संबंध में अभियुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का परिवाद पेश किया गया था। जिसमें जान से मारने की धमकियों के संबध में उचित कारवाई की मांग की गई थी परंतु न्याय की बजाय पीड़ित को ट्राचर के दबाव बना कर पीड़ित के पति को जेल में डाल दिया और जबरदस्ती राजीनामा करवाया गया। इस संबंध में पीड़िता ने न्यायलय में भी न्याय की अपील पेश कर न्याय की अपेक्षा की थी परंतु अभी तक कुछ भी निष्कर्ष नहीं निकला है यह सब प्राथिया ने मिडिया को बताया है कि भी न्याय से अभी तक अपेक्षित है। प्रशासन से मिडिया के द्वारा न्याय दिलाने को लेकर बताई अपनी आपबीती। इस मामले को लेकर जब प्रतापगढ़ शहर कोतवाल दीपक बंजारा से फोन पर संपर्क कर उक्त मामले की जानकारी मांगी गई तो उन्होंने बताया कि अभी में मेडिकल रिलीफ हूँ और इस सम्बन्ध में मुझे अभी कोई जानकारी नहीं है आप थाने से जानकारी ले सकते हैं।

## स्वयंसेविकाओं को योग प्राणायाम का अभ्यास करवाया

जयपुर टाइम्स

**प्रतापगढ़(निसं.)।** राजकीय कन्या महाविद्यालय प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत संचालित सात दिवसीय विशेष शिविर में प्रातः स्वयंसेविकाओं को योग प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। सूर्य नमस्कार की बारीकियों को समझा कर उसका अभ्यास कराया गया। नोडल महाविद्यालय से विद्या कंवर भाटी ने स्वयंसेविकाओं को महिला सशक्तिकरण पर व्याख्यान दिया तथा अचार और पापड़ बनाने का प्रशिक्षण दिया। शिविर के द्वितीय सत्र में मोटर दुर्घटना दावा न्याधिकरण न्यायाधीश चक्रवती मोहेचा एवं पारिवारिक न्यायाधिकरण न्यायाधीश शिवानी जौहरी भटनागर ने स्वयंसेविकाओं को विधिक जागरूकता संबंधी वार्ता की तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से महिला सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों को प्रत्येक महिला तक पहुचाने का आग्रह किया । न्यायाधीश ने स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ने और विशेष शिविर के संचालन की बधाई दी तथा कहा कि सभी स्वयंसेविकाएं इस कार्यक्रम से जुड़कर अन्य छात्राओं से एक कदम आगे हो गई है। दोनों न्यायाधीश ने शिविर से सफल संचालन हेतु कार्यवाहक प्राचार्य वीरेंद्र चंदेला एवं कार्यक्रम अधिकारी ममता कुंवर राठौड़ को बधाई प्रेषित की।

## अवैध रूप से चल रहे निजी पैथोलॉजी लैब्स और अस्पतालों पर होगी कार्यवाही

### पंजीयन करवाएं अन्यथा देना होगा भारी जुर्माना

जयपुर टाइम्स

**धौलपुर(निसं.)।** जिले में अवैध रूप से बिना पंजीयन चल रहे निजी पैथोलॉजी सेंटरों, अस्पतालों, सोनोग्राफी केंद्र, ब्लड बैंक के खिलाफ विभाग द्वारा कार्रवाई की जायेगी। इस हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ धर्मसिंह मीणा ने विभागीय अधिकारियों को सख्ती से अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि पैथोलॉजी लैब में जांच के नाम पर मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ न हो इसके लिये जिलेभर में निजी पैथोलॉजी लैब्स का सत्यापन किया जायेगा। अवैध पाए जाने पर सीज करने की कार्यवाही भी की जाएगी इसके लिए जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा छापामार कार्यवाही भी की जाएगी। जिन लैब्स तथा अस्पतालों में मानकों के अनुरूप तकनीकी स्टॉफ व चिकित्सक उपलब्ध नहीं हैं। उनके भी विरुद्ध समुचित कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। डॉ.मीणा ने कहा कि निजी पैथोलॉजी लैब्स और अस्पताल का क्लीनिकल स्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत पंजीकरण अनिवार्य है। बिना पंजीकरण के संचालित पाए जाने पर एक्ट में दिए गए प्रावधानों के अनुसार प्रथम बार 50 हजार दूसरी बार 2 लाख और तीसरी बार पकड़े जाने पर 5 लाख रूपये तक का जुर्माना वसूला जाएगा। सभी निजी चिकित्सा संस्थाओं को पंजीकरण के साथ साथ बायो वेस्ट प्रबंधन, फायर एनओसी, एवं प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड से अधिकृत करवाया जाना अनिवार्य है। इन नियमों के दायरे में सभी एलोपैथिक, होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक निजी चिकित्सा संस्थान और निजी बल्ड बैंक भी आते हैं। पंजीकरण संबंधी जानकारी के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है।

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा युवाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए संकल्पित : वंदना आर्य

### रोजगार सहायता शिविर का जिला प्रमुख वंदना आर्य ने फीता काटकर किया उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** जिला प्रमुख वंदना आर्य के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल में शुक्रवार को रोजगार सहायता शिविर आयोजित किया गया। जिला प्रमुख वंदना आर्य ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा युवाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए संकल्पित है। भारत के भविष्य को नींव देने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप जिले में रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया जाना सराहनीय पहल है। युवा भविष्य का निर्माता है। देश की प्रगति युवाओं पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि सीएम शर्मा की मंशा है कि युवाओं के कौशल को मंच मिले और विभिन्न प्रशिक्षणों से उनके हुनर को तराशने का अवसर मिले। युवाओं की जागरूकता और सहयोग भारत के सुदृढ़

भविष्य में बड़ी भूमिका निभाएगा। इसी क्रम में चूरू और प्रदेश की प्रगति के लिए सभी युवा आगे आएं और रोजगार सहायता शिविर के माध्यम से रोजगार के अवसरों का लाभ उठाएं। रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू ने अतिथियों का स्वागत किया और रोजगार उत्सव की व्यवस्थाओं से अवगत करवाया। जिला प्रमुख वंदना आर्य और रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू ने कंपनी प्रतिनिधियों को प्रमाण-पत्र भेंट कर अभिनंदन किया। उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने जिला उद्योग व वाणिज्य केंद्र की ओर से चलाए जाने वाले प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, पीएम विश्वकर्मा योजना और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।
जितेंद्र कुमार ने कौशल प्रशिक्षण के बारे में जानकारी दी। विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने स्वरोजगार योजनाओं तथा कंपनी प्रतिनिधियों ने उपलब्ध पदों, रिक्तियों और विभिन्न रोजगार अवसरों की जानकारी दी। इसके बाद जिला प्रमुख वंदना आर्य ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया और शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रोजगार सहायक निदेशक वर्षा जानू ने बताया कि शिविर में लगभग 570 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिसमें से 348 बेरोजगार आशार्थियों का प्रारम्भिक चयन किया गया। इस दौरान सुशीला कताला, जितेंद्र कुमार, कमलेश कुमार, राजवीर सिंह राठौड़, संदीप न्यौल, संजय गोस्वामी सहित अन्य उपस्थित रहे। संचालन रवि दाधीच ने किया।

## जिला मुख्यालय पर नवनिर्मित वीरगति स्मारक का लोकार्पण 26 को

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** जिला मुख्यालय पर नवनिर्मित वीरगति स्मारक का 26 मार्च को उद्घाटन व लोकार्पण किया जाएगा। इस संबंध में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (नेवी) दलीप सिंह राठौड़ ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता कर जानकारी साझा की। कैप्टन दलीप सिंह ने कहा कि वीरगति स्मारक का नवनिर्माण देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि है। हमारी भावनाएं वीरगति स्मारक से जुड़ाव रखती है। इन भावनाओं को मूर्त रूप प्रदान करने और वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए जिले के रतननगर के भंवरलाल- संपति देवी हीरावत के सुपुत्र बसंत हीरावत व अभय हीरावत की ओर से उनके परिवार के आर्थिक सहयोग से जिला मुख्यालय पर वीरगति स्मारक का पुनर्निर्माण करवाया गया है।
उन्होंने बताया कि जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ दक्षिण पश्चिम कमान के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम के मुख्य अतिथ्य में वीरगति स्मारक का उद्घाटन व लोकार्पण समारोह 26 मार्च को आयोजित किया जाएगा। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि वीरांगनाओं, भूतपूर्व सैनिकों से संवाद करेंगे और वीरांगनाओं का सम्मान

करेंगे। आयुद्ध सेवा महानिदेशक लेफ्टिनेन्ट जनरल सुरेश चन्द्र टान्डी (एवीएसएम, वीएसएम), जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व सैन्य अधिकारी व जिला स्तरीय अधिकारीगण भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से अनुगृहीत करेंगे। इस अवसर पर वीरगति स्मारक के नवनिर्माण में अर्थिक सहयोग करवाने वाले बसंत हीरावत ने वीरगति स्मारक के बारे में समुचित जानकारी साझा की। कैप्टन (नेवी) दलीप सिंह राठौड़ ने जिले के वीरगति प्राप्त सैनिकों के परिजनों एवं आश्रितों तथा पदक विजेताओं, पूर्व सैनिकों, पूर्व सैनिकों की वीरांगनाओ से ज्यादा से ज्यादा संख्या मे वीरगति स्मारक के लोकार्पण समारोह में उपस्थित होने की अपील की है।

## सुजानगढ़ उपखंड मुख्यालय पर नो एन्ट्री जोन व ऑटो टैक्सी स्टैण्ड घोषित

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़/चूरू(निस)।** जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक सुराणा ने जनहित व जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए उपखण्ड मजिस्ट्रेट, सुजानगढ़ से प्राप्त प्रस्ताव अनुसार और 3 मार्च को आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में प्रस्ताव का अनुमोदन किए जाने पर मोटर वाहन नियम, 1990 के नियम 8 (1) व 8 (2) से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी कर जिले के सुजानगढ़ उपखंड मुख्यालय पर नो एन्ट्री जोन व ऑटो टैक्सी स्टैण्ड घोषित किए हैं। जारी आदेशानुसार भारी माल वाहनों का छापर रोड, सालासर रोड, लाडनू/जसवंतगढ़ रोड बाईपास के पश्चात शहर प्रवेश निषेध किया गया है तथा वाहनों बाईपास का प्रयोग करने के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में मध्यम/भारी यात्री वाहन ( बस) के लिए बीडीएस चौराहे से डीएसपी ऑफिस नगरीय सीमा रोड पर दोनों ओर से ( डीएसपी ऑफिस से बीडीएस चौराहा व बीडीएस चौराहा से डीएसपी ऑफिस तक) वाहनों का प्रवेश निषेध किया गया है। वाहन नए बस स्टैण्ड से बीडीएस चौराहा से छापर तिराहा मेगा हाइवे बाईपास से खानपुर फाटक होते हुए डीएसपी ऑफिस तक व डीएसपी ऑफिस से खानपुर फाटक से छापर तिराहा मेगा हाइवे बाईपास होते हुए बीडीएस चौराहे से नए बस स्टैण्ड तक वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करेंगे।

### इन वाहनों को रखा है प्रतिबंध से मुक्त

जारी आदेशानुसार 03 टन तक वजन उठाने वाले छोटे माल वाहन, दूध, फल, सब्जी, कृषि जींस व पेट्रोलियम पदार्थ समस्त भार वाहन व हल्के यात्री वाहनों को, भवन निर्माण सामग्री (ईटें, बजरी, रोड़ी, चूना, सीमेण्ट, पट्टी, कंकर, लकड़ी इत्यादि) भार वाहन तथा सुजानगढ में माल लोडिंग व अनलोडिंग करने वाले भार वाहन रात्रि के 11 बजे से प्रातः 8.00 बजे तक, समस्त बाल वाहिनियों व एम्बूलेंस, रात्रि 10 बजे से प्रातः 7 बजे तक समस्त मध्यम/भारी यात्रा वाहनों को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है।

## 'हाथ' की मजबूती पर आबसर में कार्यकर्ताओं ने कसी कमर

जयपुर टाइम्स

**आबसर/छापर(निसं.)।** कांग्रेस के बूथ और पंचायत अध्यक्ष चुने जाने को लेकर आबसर मण्डल के कार्यकर्ताओं की बैठक शुक्रवार को आबसर गांव में हुई। बैठक में बतौर रतनगढ़ विधानसभा प्रभारी नरेंद्र बाटड़ मूख्य अतिथि और आबसर मण्डल अध्यक्ष महेंद्र मेघवाल ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उपस्थित प्रभारी नरेन्द्र बाटड़ ने कहा कि जल्दी ही आबसर मण्डल कार्यकारिणी और इनमें आने वाली पंचायतों और बूथों के अध्यक्ष चुने जाएंगे। जिन कार्यकर्ताओं की दावेदारी प्रस्तुत होगी, उन नामों पर बैठक में उपस्थित लोगों से अलग अलग राय लेकर सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने का सर्व समिति से निर्णय लिया जाएगा। संगठन की मज़बूती प्रदान करने के लिए कार्यकर्ताओं की बैठक आवश्यक है जो महीने में एक बार होना सुनिश्चित है। बैठक में सरकार की जनविरोधी नीति और स्थानीय कई मुद्दों पर मंथन भी किया गया। इसके लिए संगठन एकजुट होकर समर्पण भाव से इन मुद्दों को लेकर सड़क पर संघर्ष करने का संकल्प लिया जाएगा। मण्डल अध्यक्ष महेंद्र मेघवाल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि जल्दी ही कांग्रेस के जिलाध्यक्ष और स्थानीय विधायक, ब्लॉक अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं से

राय लेकर बूथ और पंचायत अध्यक्ष नियुक्त करने के नाम सर्वसम्मति से भेज दिया जाएगा। संगठन को मजबूत बनाकर सरकार की जन विरोधी नीतियों को गांव के बूथ स्तर पर लाकर सरकार की गलत नीतियों का विरोध किया जाएगा। आने वाले पंचायत चुनाव कांग्रेस को जिताकर सरकार की किसान मजदूरों आमजनों के लिए बनाई जा रही जनविरोधी नीतियों का मूहँ तोड़ जवाब दिया जाएगा। बैठक का मंच संचालन भागीरथ पुनियां ने किया। इस दौरान पंच मोटाराम, रामेश्वरलाल, गणेशाराम, सोहनराम, भागुराम, रामराय, भंवरलाल किलका, हणमानाराम, मघाराम, केशवप्रसाद, गोपाल किलका, मेघाराम मेघवाल, अरविंद गोदारा, मेघाराम किलका, तेजाराम किलका, चेतनराम, अशुराम कराला सहित काफी कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

## रोजगार सहायता शिविर में नियुक्ति पत्र पाकर झूम उठे 424 युवा

जयपुर टाइम्स

**बीकानेर(निस)।** जिला प्रशासन के तत्वावधान में उपक्षेत्रीय रोजगार कार्यालय, बीकानेर की ओर से शुक्रवार को स्थानीय राजकीय एम.एम. ग्राउंड में एक रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान 424 युवाओं का रोजगार के लिए प्राथमिक चयन किया गया जिसमें से 15 युवाओं को मौके पर ही बारह हजार रुपए प्रतिमाह से लेकर साढे तीन लाख रुपए प्रतिवर्ष पैकेज तक के ऑफर लेटर दिए गए। शिविर में निजी क्षेत्र के 23 नियोक्ताओ ने भाग लिया। वहीं राज्य सरकार के 10 विभिन्न विभागों की ओर से 234 आशार्थियों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में 231 युवाओं को प्रशिक्षण योजनाओं और 16 युवाओं को स्वरोजगार योजनाओं से लाभान्वित किया गया। उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय के उप निदेशक हरगोबिंद मित्तल ने बताया कि शिविर में लगभग दो हजार लोगों की भागीदारी रही जिनमें से 671 बेरोजगार आशार्थी रोजगार, स्वरोजगार व प्रशिक्षण योजनाओं से लाभान्वित हुए। मौके पर ही नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं के चेहरे खिल गए। शिविर के दौरान पहली बार एयरफोर्स की स्टॉल लगाई गई। ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी इस दौरान की गई। शिविर में भारतीय स्टेट बैंक के सहायक महाप्रबंधक नीरज कुमार, सुमन छाजेड़, महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ. अनुराधा सक्सेना, नाबार्ड के डीडीएम राजेश तांबी, रोजगार अधिकारी चौधरी दिनेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सभी

अतिथियों की ओर से युवाओ को ऑफर लेटर दिए गए। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग की ओर से 3 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री पालनहार और 2 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के स्वीकृति पत्र दिए गए। वहीं महिला अधिकारिता विभाग की ओर से मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत चेक वितरित किए गए और बेटी जन्मोत्सव मनाया गया। साथ ही बेटी किट का वितरण किया गया। आरएसएलडीसी की ओर से कौशल आधारित विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए 70 युवाओं का चयन किया गया। जनसंपर्क विभाग की ओर से योजनाओं और उपलब्धियों आधारित साहित्य का वितरण किया गया। शिविर के दौरान बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से युवाओ को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक युवा को रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर मिले। सरकार द्वारा युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं।

### खाकी की छवि धूमिल करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग, प्रदर्शन की चेतावनी

## बीदासर पुलिस की उत्कृष्ट कार्यशैली के समर्थन में उतरा सर्व समाज, एसपी को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

**बीदासर(निस)।** बीदासर पुलिस के समर्थन में सर्व समाज उतर आया है। सर्व समाज के लोगों ने बीदासर पुलिस की जमकर तारीफ की है और हाल ही अपराधियों के खिलाफ की गई कार्रवाई को काबिले तारीफ बताया है। इस संबंध में सर्व समाज के लोगों ने शुक्रवार को पुलिस प्रशासन का मनोबल बढ़ाने को लेकर एसपी के नाम डीएसपी प्रहलाद राय व जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम अमीलाल यादव को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया कि कुछ दिन पहले कुछ लोगों ने बीदासर पुलिस की कार्य शैली पर प्रश्न उठाते हुए पुलिस की ओर से अभद्रता व्यवहार व कस्बे में बढ़ती चोरियो व अन्य अपराधों के संबंध में ज्ञापन के माध्यम से अपनी मांग उठाई थी और कुछ समाचार पत्रों में संबंध में न्यूज़ भी प्रकाशित

हुई है। वर्तमान समय में बीदासर पुलिस की ओर से कस्बे में होने वाली चोरियों व अन्य अपराधों पर अंकुश लगाया है। कस्बे में कानून व्यवस्था सराहनीय है, कुछ लोगों की ओर से अपने व्यक्तिगत हितों को पूर्ति के लिए पुलिस प्रशासन की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से अपराधों का अंकुश व कानून व्यवस्था बेहतरीन बनाने में अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान में बीदासर पद स्थापित पुलिस उप.अधीक्षक, थाना अधिकारी व समस्त पुलिस स्टाफ का आम जनता के प्रति कार्यशैली शानदार है। कुछ लोगों के निजी के स्वार्थ की वजह से इन लोगों ने विरोध जताया है जिनके विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। अन्यथा बीदासर का सर्व समाज धरने पर बैठने को मजबूर होगा। पुलिस प्रशासन को मनोबल बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उत्कर्ष कार्य करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों को सम्मानित किया जाए। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवकुमार टांटिया, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश भोभरिया, मंत्री रामनिवास सियाग, पालिकाध्यक्ष सीताराम भोभरिया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जेठाराम यादव, सरपंच सुरेश खेरिया, पार्षद बाबूलाल करड़वाला, पन्नालाल मेघवाल, दीपाराम सारण, आरिफ छिम्पा, पीरजी कुरैशी, भीखाराम खेरिया, मन्नीराम मण्डा, प्रशांत सोनी, जगदीश प्रजापत, सद्दाम नागोरी, साबिर ज़िन्दरान, गिरधारी देडू, रामरतन मंडा, गिरधारी मेघवाल, मनोज सिहाग, जितेंद्र सिंह, भागुराम महिया, नबाब सब्जिफ्रोस, सुरजाराम गढ़वाल, रमेश माली, ओमप्रकाश गोदारा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।